टिप्पणी

23

साझेदार का प्रवेश

कपिल एवं कृष खिलौनों का व्यापार करने की साझेदारी फर्म चला रहे हैं। वे अपने इलाके के बहुत सफल व्यवसायी हैं। वे अपने व्यवसाय में भिन्नता के लिए इलेक्ट्रोनिक्स से चलनेवाले खिलौनों का निर्माण आरम्भ करने का निर्णय लेते हैं। इसके लिए उनको अधिक पूँजी एवं तकनीकी ज्ञान की आवश्यकता है। उनका मित्र मोहित इलेक्ट्रोनिक अभियंता है। उसके पास पूँजी भी है। वे उसको प्रोत्साहित करते हैं कि वह उनकी फर्म में आ जाए। इस स्थिति में यदि वह साझेदारी फर्म में आ जाता है तो यह साझेदार के प्रवेश की स्थिति होगी। इसके परिणामस्वरूप उसे पूँजी एवं अपने भाग की ख्याति लानी होगी। इस पाठ में आप साझेदार के प्रवेश के समय ख्याति एवं अन्य समायोजन के संबंध में पढ़ेंगे। मोहित पूँजी एवं अपने भाग की ख्याति लाएगा। उसके प्रवेश पर, वर्तमान फर्म की कुछ परिसम्पत्तियों एवं दायित्वों को उनके वास्तविक मूल्य में लाने के लिए कुछ परिवर्तन की आवश्यकता है। यहाँ पर उसके प्रवेश पर वित्त से सम्बन्धित कुछ अन्य विषय हो सकते हैं। इन सभी का लेखा करने की आवश्यकता है। इस पाठ में आप, साझेदार के प्रवेश के समय किए जाने वाले लेखांकन एवं समायोजनों के बारे में पढ़ेगें।

उद्देश्य

इस पाठ को पढ़ने के पश्चात्, आप :

- साझेदार के प्रवेश का अर्थ बता सकेंगे;
- नया लाभ विभाजन अनुपात एवं त्याग अनुपात की गणना कर सकेंगे;
- ख्याति का अर्थ एवं प्रभावित करने वाले कारकों को बता सकेंगे;
- ख्याति के मूल्यांकन की विधियों का वर्णन कर सकेंगे;
- ख्याति के लेखाकरण का वर्णन कर सकेंगे;

टिप्पणी

- परिसम्पत्तियों के पुनर्मूल्यांकन एवं दायित्वों के पुनर्निर्धारण की आवश्यकता को समझा सकेंगे;
- परिसम्पत्तियों के पुनर्मूल्यांकन एवं दायित्वों के पुनर्निर्धारण के फलस्वरूप उत्पन्न परिवर्तनों का लेखाकरण कर सकेंगे;
- अविभाजित लाभ एवं संचयों के लेखाकरण को समझा सकेंगे;
- साझेदारों के पूँजी खातों में किए जाने वाले समायोजनों को समझा सकेंगे;
- पुनर्मूल्यांकन खाता, साझेदारों के पूँजी खाते एवं पुनर्गठित फर्म का स्थिति विवरण बना सकेंगे।

23.1 साझेदार का प्रवेश

अर्थ, नया लाभ विभाजन अनुपात एवं त्याग अनुपात

अर्थ

पहले से ही अस्तित्व में साझेदारी फर्म व्यवसाय के विस्तार एवं विविधिकरण के कार्य को जब हाथ में लेती है तो उसे प्रबन्धन के लिए अतिरिक्त पूँजी की आवश्यकता होती हैं। साझेदारी फर्म के सामने एक विकल्प नए साझेदार/साझेदारों को प्रवेश देना है। जब किसी वर्तमान साझेदारी फर्म में साझेदार को प्रवेश दिया जाता है तो इसे साझेदार का प्रवेश कहते हैं।

> *भारतीय साझेदारी अधिनियम 1932 के अनुसार यदि कोई अन्य समझौता नहीं हुआ है तो नए साझेदार का प्रवेश सभी वर्तमान साझेदारों की अनुमति से ही दिया जा सकता है।*

नए साझेदार के प्रवेश पर, साझेदारी फर्म का पुनर्गठन नए समझौते के साथ होता है। उदाहरण के लिए, रेखा एवं नितेश साझेदार हैं। लाभ का विभाजन 5 : 3 के अनुपात में करते हैं। वे अप्रैल 1, 2014 को नीतू को नए साझेदार के रूप में फर्म के लाभ में 1/4 भाग के लिए प्रवेश देते हैं। इस स्थिति में, नीतू के साझेदार के रूप में प्रवेश पर फर्म का पुनर्गठन होगा।

नए साझेदार के प्रवेश पर निम्न समायोजन आवश्यक हैं :

(i) लाभ विभाजन अनुपात का समायोजन;

(ii) ख्याति का समायोजन;

(iii) परिसम्पत्तियों के पुनर्मूल्यांकन एवं दायित्वों के पुनर्निर्धारण के लिए समायोजन;

(iv) संचित लाभों एवं संचयों का विभाजन; एवं

(v) साझेदारों की पूँजी का समायोजन।

टिप्पणी

लाभ-विभाजन अनुपात में समायोजन

जब नया साझेदार प्रवेश लेता है तब वह अपने भाग के लाभ का अधिग्रहण वर्तमान साझेदारों से करता है। इसके परिणामस्वरूप, नई फर्म के लाभ-विभाजन अनुपात का निर्णय नए साझेदार एवं वर्तमान साझेदारों के बीच आपस में लिया जाता है। आने वाला साझेदार भविष्य में अपने लाभों का अधिग्रहण, या तो एक से या अधिक वर्तमान साझेदारों से कर सकता है। वर्तमान साझेदार अपने लाभ के भाग का त्याग नए साझेदार के पक्ष में करते हैं अतः नए लाभ–विभाजन अनुपात की गणना करना आवश्यक हो जाता है।

त्याग अनुपात

नए साझेदार के प्रवेश के समय, वर्तमान साझेदार, नए साझेदार के पक्ष में अपने कुछ भाग का समर्पण करते हैं। वह अनुपात जिसमें वह अपने लाभ के भाग का, आनेवाले साझेदार के पक्ष में त्याग करते हैं, त्याग अनुपात कहलाता है। नए साझेदार द्वारा वर्तमान साझेदार के लाभ का भाग लेने के लिए, क्षतिपूर्ति राशि का भुगतान किया जाता है, जो कि वे नए साझेदार के पक्ष में समर्पण करते हैं।

त्याग अनुपात की गणना निम्न प्रकार से की जाएगी :

त्याग अनुपात = वर्तमान अनुपात – नया अनुपात

नया लाभ-विभाजन अनुपात एवं त्याग अनुपात की गणना करने के लिए निम्न स्थितियां उत्पन्न हो सकती हैं :

(i) केवल नए साझेदार का भाग दिया गया हो

इस स्थिति में, यह माना जाता है कि वर्तमान साझेदार शेष लाभ को उसी अनुपात में निरंतर विभाजित करते रहेंगे जिसमें वह नए साझेदार के प्रवेश से पहले विभाजन करते हैं अतः वर्तमान साझेदारों के नए अनुपात की गणना लाभ के शेष भाग को उनके वर्तमान अनुपात में विभाजित करके की जाएगी। त्याग अनुपात की गणना, वर्तमान अनुपात में से नए अनुपात को घटाकर की जाएगी।

उदाहरण 1

दीपक एवं विवेक साझेदार हैं। लाभ का विभाजन 3 : 2 के अनुपात में करते हैं। वे लाभ में 1/5 भाग के लिए नए साझेदार आशू को प्रवेश देते हैं। नए लाभ विभाजन अनुपात एवं त्याग अनुपात की गणना करें।

हल :

नए लाभ विभाजन अनुपात की गणना :

टिप्पणी

माना कुल लाभ = 1

नए साझेदार का भाग = 1/5

शेष भाग = 1 – 1/5 = 4/5

दीपक का नया भाग = 4/5 का 3/5 = 12/25

विवेक का नया भाग = 4/5 का 2/5 = 8/25

आशू का भाग = 1/5

दीपक, विवेक एवं आशू का नया लाभ विभाजन अनुपात
= 12/25 : 8/25 : 1/5 = 12/25 : 8/25 : 5/25 = 12 : 8 : 5

अतः दीपक का त्याग = 3/5 – 12/25 = 15/25 – 12/25 = 3/25

विवेक का त्याग = 2/5 – 8/25 = 10/25 – 8/25 = 2/25

त्याग अनुपात = 3 : 2

वर्तमान साझेदारों का त्याग अनुपात उनके वर्तमान अनुपात के समान है।

(ii) नया साझेदार अपने लाभ का भाग वर्तमान साझेदारों से निश्चित अनुपात में क्रय करता है

इस स्थिति में, वर्तमान साझेदारों के नए लाभ विभाजन अनुपात का निर्धारण त्याग को उनके भाग से घटाकर किया जाएगा। इसका अर्थ यह है कि आने वाला साझेदार, वर्तमान साझेदारों से निश्चित अनुपात में लाभ के कुछ भाग का क्रय करता है।

उदाहरण 2

नेहा एवं प्रतीक साझेदार हैं। लाभ का विभाजन 5 : 3 के अनुपात में करते हैं। वे निशा को लाभ में 1/6 भाग के लिए नए साझेदार के रूप में प्रवेश देते हैं। वह इस भाग को 1/8 नेहा से एवं 1/24 भाग प्रतीक से लेते है। नए लाभ विभाजन अनुपात एवं त्याग अनुपात की गणना करें।

हल :

नेहा एवं प्रतीक का वर्तमान अनुपात = 5 : 3

नेहा का नया भाग = 5/8 – 1/8 = 4/8 या 12/24

प्रतीक का नया भाग = 3/8 – 1/24 = 8/24

निशा का भाग = 1/8 + 1/24 = 4/24

टिप्पणी

नेहा, प्रतीक एवं निशा का नया लाभ विभाजन अनुपात

$12/24 : 8/24 : 4/24$

$= \quad 12 : 8 : 4 = 3 : 2 : 1$

त्याग अनुपात $=$ 1/8 : 1/24 या 3 : 1

(iii) वर्तमान साझेदार अपने भाग का निश्चित हिस्सा नए साझेदार के पक्ष में समर्पण करते हैं

इस स्थिति में प्रत्येक साझेदार द्वारा त्याग किए गए भाग का निर्धारण किया जाता है। इसका निर्धारण वर्तमान साझेदारों के भाग में उनके त्याग अनुपात को गुणा करके किया जाता है। वर्तमान साझेदारों को त्याग किए गए भाग का उनके वर्तमान भाग में से घटा दिया जाएगा। इससे वर्तमान साझेदारों का नया भाग तय होगा। आने वाले साझेदार का भाग, वर्तमान साझेदारों द्वारा त्याग का योग होगा।

उदाहरण 3

हिम एवं राज लाभ का विभाजन 5 : 3 के अनुपात में करते हैं। जौली को साझेदार के रूप में प्रवेश दिया जाता है। हिम अपने भाग का 1/5 एवं राज अपने भाग का 1/3 जौली के पक्ष में समर्पण करता है। नए लाभ विभाजन अनुपात की गणना करें।

हल :

हिम द्वारा अपने भाग का 1/5 समर्पण = 5/8 का 1/5 = 1/8

राज द्वारा अपने भाग का 1/3 समर्पण = 3/8 का 1/3 = 1/8

अतः हिम एवं राज का त्याग अनुपात 1/8 : 1/8 या समान है

हिम का नया भाग $=$ $5/8 - 1/8 = 4/8$

राज का नया भाग $=$ $3/8 - 1/8 = 2/8$

जौली का भाग $=$ $1/8 + 1/8 = 2/8$

हिम, राज एवं जौली का नया लाभ विभाजन अनुपात

$=$ 4/8 : 2/8 : 2/8 या 4 : 2 : 2 या 2 : 1 : 1.

पाठगत प्रश्न 23.1

I. रिक्त स्थानों की पूर्ति उचित शब्द/शब्दों से कीजिए :

(i) त्याग अनुपात की गणना वर्तमान साझेदारों के ..... भाग के लाभ में से लाभ के ..... भाग को घटा कर की जायेगी।

टिप्पणी

(ii) नए साझेदार के प्रवेश पर साझेदारी फर्म का ..... होता है।

(iii) वह अनुपात जिसमें साझेदार अपने लाभ का समर्पण करते हैं ..... कहलाता है।

(iv) वर्तमान साझेदारों के नए अनुपात की गणना, लाभ के शेष भाग को उनके ..... में विभाजित कर की जाती है।

II. यदि तरुण एवं निशा साझेदार हैं तथा लाभ का विभाजन 5 : 3 के अनुपात में करते हैं उनका त्याग अनुपात क्या होगा, यदि राहुल को फर्म के लाभ में 1/8 भाग के लिए प्रवेश दिया जाता है।

23.2 ख्याति : अर्थ, ख्याति को प्रभावित करने वाले कारक एवं मूल्यांकन

ख्याति का अर्थ

कुछ समय अवधि के बाद, व्यवसायिक फर्म का ग्राहकों में अच्छा नाम एवं विश्वास उत्पन्न हो जाता है। यह व्यवसाय को नए आरम्भ किए गए व्यवसाय की तुलना में कुछ अतिरिक्त लाभ अर्जित करने में सहायता करता है। लेखांकन में इस अतिरिक्त लाभ के पूँजीकृत मूल्य को ख्याति के रूप में जाना जाता है। उदाहरण के लिए, आपकी फर्म ₹ 1,200 लाभ अर्जित करती है एवं आपकी फर्म का सम्भावित सामान्य लाभ ₹700 है। प्रत्याय की दर (Rate of return) 10% है। इस स्थिति में ख्याति का निर्धारण निम्न प्रकार होगा :

चरण 1 : अधिलाभ = वास्तविक लाभ − अपेक्षित सामान्य लाभ
= 1200 − 700 = 500

चरण 2 : ख्याति = $500 \times \frac{100}{10}$ = ₹ 5,000

अन्य शब्दों में ख्याति, भविष्य में सामान्य लाभ से अधिक लाभ अर्जित करने के सम्बन्ध में फर्म की प्रतिष्ठा का मूल्य है। इसको इस प्रकार भी परिभाषित किया जा सकता है कि यह भविष्य में लाभ अर्जित करने की वर्तमान मूल्य क्षमता है। इसका अर्थ है कि एक फर्म की ख्याति केवल तभी कही जा सकती है यदि वह भविष्य में लाभ अर्जन करने की क्षमता रखती है। एक फर्म अन्य फर्मों की तरह केवल सामान्य लाभ अर्जित करती है, वह ख्याति का दावा नहीं कर सकती है।

ख्याति को प्रभावित करने वाले कारक

ख्याति को प्रभावित करने वाले कारक निम्न है :

1. **स्थिति :** यदि फर्म केन्द्रित स्थान पर है परिणामस्वरूप अच्छा विक्रय होगा, ख्याति का रुझान ऊँचा होगा।

टिप्पणी

2. **व्यवसाय की प्रकृति :** एक फर्म जो उच्च मूल्य की वस्तुओं का निर्माण करती है या स्थिर माँग रखती है, वह अधिक लाभ अर्जन करने में सक्षम है; अतः वस्तुओं की ख्याति अधिक होगी।
3. **कुशल प्रबंधन :** अच्छी तरह से फर्म का प्रबंधन अधिक लाभ अर्जित करता है; अतः ख्याति का मूल्य भी अधिक होगा।
4. **गुणवत्ता :** यदि फर्म अपनी वस्तुओं की गुणवत्ता के कारण जानी जाती है तो ख्याति का मूल्य अधिक होगा।
5. **बाजार की स्थिति :** एकाधिकार की स्थिति में अधिक लाभ अर्जित होगा जो कि अधिक ख्याति का सूचक है।
6. **विशेष लाभ :** जिन फर्मों को विशेष लाभ प्राप्त होते हैं, जैसे आयात लाइसेंस, सामग्री के वितरण का लम्बी अवधि का अनुबंध, पेटेंट्स, व्यापारिक चिह्न आदि तो उनकी ख्याति का मूल्य ऊँचा होगा।

ख्याति के मूल्यांकन की विधियाँ

सामान्यतः ख्याति के मूल्यांकन की विधि का निर्णय सभी साझेदारों के बीच साझेदारी संलेख को बनाने के दौरान लिया जाता है। फर्म की ख्याति का मूल्यांकन करने की महत्वपूर्ण विधियाँ निम्न हैं :

(i) औसत लाभ विधि (Average profit method)

(ii) अधिलाभ विधि (Super profit method)

(iii) पूँजीकरण विधि (Capitalisation method)

आइए इन विधियों के बारे में पढ़ें।

1. **औसत लाभ विधि :** इस विधि के अन्तर्गत, कुछ दिए गए वर्षों के लाभों का औसत निकाला जाता है। ख्याति के मूल्य की गणना औसत लाभ के सहमत वर्षों की संख्या से क्रय करके की जाएगी। अतः ख्याति की गणना निम्न प्रकार होगी :

   ख्याति का मूल्य = औसत लाभ × क्रय वर्षों की संख्या

   उदाहरण के लिए, फर्म के 3 वर्षों का औसत लाभ ₹ 25,000 है एवं ख्याति की गणना औसत लाभ के 2 वर्षों के क्रय के लिए ऐसे में ख्याति ₹ 50,000 होगी (₹ 25,000 × 2) अतः ख्याति की गणना इस प्रकार होगी।

   ख्याति = औसत लाभ × क्रय वर्षों की संख्या

   = 25,000 × 2 = ₹ 50,000

टिप्पणी

उदाहरण 4

पिछले 5 वर्षों के एक फर्म के लाभ निम्न प्रकार से हैं : वर्ष 2001, ₹ 1,20,000 वर्ष 2002, ₹ 1,50,000 वर्ष 2003, ₹ 1,70,000 वर्ष 2004, ₹ 1,90,000 वर्ष 2005 ₹ 5,00,000 फर्म की ख्याति की गणना 5 वर्षों के औसत लाभ के 3 वर्षों के क्रय के आधार पर करें।

हल :

वर्ष	लाभ (₹)
2001	1,20,000
2002	1,50,000
2003	1,70,000
2004	1,90,000
2005	2,00,000
योग	8,30,000

औसत लाभ = कुल लाभ/वर्षों की संख्या
= ₹ 8,30,000/5 = ₹ 1,66,000

ख्याति = औसत लाभ × क्रय वर्षों की संख्या
= 1,66,000 × 3 = ₹ 4,98,000

2. अधिलाभ विधि : अधिलाभ, सामान्य लाभ से वास्तविक लाभ का आधिक्य है यदि एक नया व्यापार निवेशित पूँजी पर निश्चित प्रतिशत से लाभ अर्जित करता है तो यह सामान्य लाभ कहलाता है। ख्याति के मूल्य की गणना, अधिलाभ को क्रय वर्षों की संख्या से गुणा करके की जाएगी। सामान्य लाभ वह लाभ है। जो कि इसी प्रकार के अन्य व्यवसाय द्वारा अर्जित किया जाता है। सामान्य लाभ की गणना इस प्रकार की जाएगी:

सामान्य लाभ (Normal profit) : = निवेशित पूँजी × सामान्य प्रत्याय दर/100

वास्तविक लाभ (Normal profit) : यह वर्ष के दौरान अर्जित किया गया लाभ है या यह पिछले कुछ वर्षों के लाभ का औसत लिया गया है।

अधिलाभ (Super profit) = वास्तविक लाभ – सामान्य लाभ

उदाहरण के लिए एक फर्म ₹ 4,80,000 की पूँजी पर ₹ 65,000 लाभ अर्जित करती है इसी प्रकार के व्यवसाय में सामान्य प्रत्याय दर 10% है अतः सामान्य लाभ ₹ 48,000 (₹ 48,000 का 10%) होगा। वास्तविक लाभ ₹ 65,000 है। अतः

अधिलाभ = वास्तविक लाभ – सामान्य लाभ
= ₹ 65,000 – ₹ 48,000 = ₹ 17,000

टिप्पणी

यदि ख्याति के मूल्य की गणना अधिलाभ के 3 वर्षों के क्रय द्वारा की जाए। तब ख्याति ₹ 51,000 (₹ 17,000 × 3) के बराबर होगी।

भारित औसत विधि (Weighted Average Method) : यह विधि औसत लाभ विधि का परिवर्तित रूप है। इस विधि में प्रत्येक वर्ष के लाभ को एक भार दिया जाता है जैसे 1, 2, 3, 4 आदि। इसके पश्चात् प्रत्येक वर्ष के लाभ को भार से गुणा करके गुणनफल ज्ञात किया जाता है। गुणनफल के योग को कुल भार से विभाजित किया जाता है। इसके परिणामस्वरूप हमें भारित औसत लाभ ज्ञात होगा। इसके पश्चात् ख्याति के मूल्य की गणना भारित औसत लाभ को क्रय वर्षों की संख्या से गुणा करके की जाएगी, अतः ख्याति की गणना इस प्रकार होगी।

$$\text{भारित औसत लाभ} = \frac{\text{लाभ के गुणनफल का योग}}{\text{कुल भार}}$$

$$\text{ख्याति का मूल्य} = \text{भारित औसत लाभ} \times \text{क्रय वर्षों की संख्या}$$

टिप्पणी : इस विधि को तब अपनाया जाता है जबकि हम वार्षिक लाभ में वृद्धि की प्रवृत्ति देखते हैं। सबसे अन्तिम वर्ष के लाभ को अधिकतम भार दिया जाता है।

उदाहरण 5

फर्म के पिछले वर्षों के लाभ निम्न प्रकार से हैं :

	लाभ (₹)
2002	80,000
2003	85,000
2004	90,000
2005	1,00,000
2006	1,10,000

2002 से 2006 तक के वर्षों के लिए प्रयोग किया गया भार 1, 2, 3, 4 और 5 है।

ख्याति के मूल्य की गणना भारित औसत लाभ के दो वर्षों की क्रय के आधार पर करें।

हल :

वर्ष	*लाभ*	*भार*	*गुणनफल*
2002	80,000	1	80,000
2003	85,000	2	1,70,000
2004	90,000	3	2,70,000
2005	1,00,000	4	4,00,000
2006	1,10,000	5	5,50,000
		15	14,70,000

टिप्पणी

भरित औसत लाभ $= \frac{14,70,000}{15} = ₹\ 98,000$

ख्याति = ₹ 98,000 × 2 = ₹ 1,96,000

उदाहरण 6

एक फर्म ने पिछले 4 वर्षों के दौरान निम्न शुद्ध लाभ अर्जित किया

वर्ष	*(₹)*
2003	90,000
2004	1,20,000
2005	1,60,000
2006	1,80,000

फर्म में प्रायोजित पूँजी ₹ 10,00,000 है लाभ की सामान्य दर 10% है ख्याति के मूल्य की गणना 4 वर्षों के क्रय के आधार पर करें।

हल :

4 वर्षों का कुल लाभ = ₹ 90,000 + ₹ 1,20,000 + ₹ 1,60,000 + ₹ 1,80,000

= ₹ 5,50,000

औसत वार्षिक लाभ = ₹ 5,50,000/4

= ₹ 1,37,500

सामान्य लाभ = ₹ 10,00,000 का 10% = $10,00,000 \times \frac{10}{100}$

= ₹ 1,00,000

अधिलाभ = ₹ 1,37,500 − ₹ 1,00,000

= ₹ 37,500

4 वर्षों के क्रय पर ख्याति का मूल्य = ₹ 37,500 × 4

= ₹ 1,50,000

3. पूँजीकरण विधि (Capitalisation Method) : इस विधि में बचायी गई पूँजी ख्याति की राशि है। सामान्यतः व्यवसायी पूँजी का विनियोग व्यवसाय की गतिविधि चलाने के लिए एवं पूँजी का उचित उपयोग करके लाभ अर्जित करता है। यदि व्यवसाय, अन्य व्यवसायों की तुलना में कम पूँजी की राशि का विनियोग करके अधिक लाभ अर्जित करता है तथा जो व्यवसाय अधिक राशि की पूँजी से इतने ही लाभ की राशि अर्जित कर रहे हैं तो बचाई गई राशि को ख्याति माना जाएगा।

टिप्पणी

इस विधि के अन्तर्गत ख्याति की गणना दो प्रकार से की जा सकती है।

i. औसत लाभ का पूँजीकरण

ii. अधिलाभ का पूँजीकरण

i. औसत लाभ का पूँजीकरण : इस विधि में, वास्तविक प्रायोजित पूँजी से औसत लाभ के पूँजी मूल्य अधिक को ख्याति का मूल्य माना जाता है।

निवेशित पूँजी की गणना करने के लिए निम्न सूत्र प्रयोग किया जाएगा।

निवेशित पूँजी = कुल परिसम्पत्तियाँ – बाह्य दायित्व

लाभों का पूँजीकरण मूल्य की गणना के लिए निम्न सूत्र प्रयोग किया जाएगा

लाभ का पूँजीकरण मूल्य = औसत लाभ × 100/सामान्य लाभ दर

ख्याति = लाभों का पूँजीकरण मूल्य – निवेशित पूँजी

उदाहरण 7

एक फर्म पिछले कुछ वर्षों के दौरान ₹ 40,000 औसत लाभ अर्जित करती है इसी प्रकार के व्यवसाय में सामान्य प्रत्याय की दर 10% है। कुल परिसम्पत्तियाँ ₹ 3,60,000 एवं बाह्य दायित्व ₹ 50,000 है। औसत लाभ का पूँजीकरण विधि की सहायता से ख्याति के मूल्य की गणना करें।

हल :

निवेशित पूँजी = कुल परिसम्पत्तियों – बाह्य दायित्व

= ₹ 3,60,000 – ₹ 50,000

= ₹ 3,10,000

औसत लाभ का पूँजीकरण मूल्य = औसत लाभ × 100/लाभ की सामान्य दर

= ₹ 40,000 × 100/10

= ₹ 4,00,000

ख्याति = पूँजीकरण मूल्य – निवेशित पूँजी

= ₹ 4,00,000 – ₹ 3,10,000

= ₹ 90,000

उदाहरण 8

एक फर्म में निवेशित पूँजी ₹ 4,60,000 है एवं इसी प्रकार के व्यवसाय में प्रत्याय की दर 12% है। फर्म पिछले 4 वर्षों में निम्न लाभ अर्जित करती है :

टिप्पणी

2003	₹ 60,000	2005	₹ 80,000
2004	₹ 70,000	2006	₹ 90,000

पूँजीकरण विधि द्वारा ख्याति के मूल्य की गणना करें।

हल :

कुल लाभ = (₹ 60,000 + ₹ 70,000 + ₹ 80,000 + ₹ 90,000)/4

औसत लाभ = ₹ 3,00,000/4
= ₹ 75,000

पूँजीकरण मूल्य = औसत लाभ × 100/12
= ₹ 75,000 × 100/12
= ₹ 6,25,000

ख्याति = पूँजीकृत मूल्य – प्रायोजित पूँजी
= ₹ 62,50,000 – ₹ 4,60,000
= ₹ 1,65,000

*ii. **अधिलाभों का पूँजीकरण :*** इस विधि में, ख्याति के मूल्य की गणना अधिलाभ विधि के आधार पर की जाती है। ख्याति अधिलाभ का पूँजीकरण मूल्य होती है। निवेशित पूँजी की गणना करने के लिए निम्न सूत्र का उपयोग किया जाएगा :

ख्याति = अधिलाभ × 100/लाभ की सामान्य दर

उदाहरण 9

एक फर्म ₹ 26,000 लाभ अर्जित करती है एवं ₹ 2,20,000 की राशि पूँजी विनियोजित है। इस प्रकार के व्यवसाय में लाभ अर्जित करने की सामान्य प्रत्याय दर 10% है। ख्याति के मूल्य की गणना अधिलाभों के पूँजीकरण विधि की सहायता से करें।

हल :

वास्तविक लाभ = ₹ 26,000

सामान्य लाभ = 2,20,000 × 10/100 = ₹ 22,000

अधिलाभ = वास्तविक लाभ–सामान्य लाभ

= ₹ 26,000 – ₹ 22,000

= ₹ 4,000

ख्याति = अधिलाभ × 100/लाभ की सामान्य दर
= 4,000 × 100/10
= ₹ 40,000

टिप्पणी

पाठगत प्रश्न 23.2

I. रिक्त स्थानों की पूर्ति उचित शब्द/शब्दों से कीजिए :

(i) ख्याति ..... परिसम्पत्ति है।

(ii) सामान्यतः ख्याति की राशि ..... साझेदार द्वारा लाई जाती है।

(iii) अधिलाभ = वास्तविक लाभ – .....

(iv) ..... एवं ..... ख्याति की गणना करने की विधियाँ हैं।

(v) निवेशित पूँजी = कुल परिसम्पत्तियाँ – .....

II. (अ) निम्न सूचनाओं से औसत लाभ की गणना करें :

वर्ष	*लाभ (रु.)*	*हानि (रु.)*
2001	80,000	
2002	90,000	
2003	–	30,000
2004	1,10,000	

औसत लाभ = ?

(ब) उपर्युक्त 2 (अ) में ख्याति के मूल्य की गणना औसत लाभ के दो वर्ष के क्रय से करें।

23.3 ख्याति का लेखाकरण (Treatment of Goodwill)

नया साझेदार अपने भाग के लाभ को वर्तमान साझेदारों से अधिग्रहण करता है। इसके परिणामस्वरूप वर्तमान साझेदारों के भाग में कमी आती है, इसलिए वह वर्तमान साझेदारों के त्याग के लिए क्षतिपूर्ति करता है। वह रोकड़ भुगतान करके या अन्य प्रकार से क्षतिपूर्ति करता है। भुगतान उसके भाग की ख्याति के बराबर होगा।

लेखांकन मानक 10 (A S 10) के अनुसार, ख्याति का लेखा बहियों में केवल तभी किया जाएगा जब इसके बदले में कुछ राशि का भुगतान किया जाये; अतः यदि नया साझेदार ख्याति के लिये आवश्यक राशि नहीं ला रहा है तो ख्याति खाता पुस्तको में नहीं खोला जायेगा। वह अपने पूंजी के अंश के अतिरिक्त ख्याति के लिए भी भुगतान करेगा।

टिप्पणी

यदि वह ख्याति के लिए भुगतान नहीं करता है तो, ख्याति में उसके भाग की राशि के बराबर राशि उसकी पूँजी में से घटायी जायेगी। ख्याति के लिये उसके द्वारा लायी गई राशि या ख्याति की राशि, जो उसके पूँजी खाते में से घटाई गई है, को वर्तमान साझेदारों में उनके त्याग अनुपात में विभाजित किया जायेगा। नये साझेदार के प्रवेश के समय, बहियों में दर्शायी गयी ख्याति को वर्तमान साझेदारों में उनके वर्तमान अनुपात में अपलिखित किया जायेगा।

नये साझेदार के प्रवेश के समय ख्याति के लेखाकरण से सम्बन्धित विभिन्न परिस्थितियां निम्न हैं। इनका वर्णन निम्न प्रकार है :

1. जब नये साझेदार द्वारा ख्याति की राशि का भुगतान निजी रूप से किया जाता है।
2. जब नया साझेदार अपने भाग की ख्याति के लिए रोकड़ लाता है।
3. जब नया साझेदार आपने भाग की ख्याति के लिए रोकड़ नहीं लाता है।

1. नए साझेदार द्वारा ख्याति की राशि का भुगतान निजी रूप से करने पर : यदि नए साझेदार द्वारा वर्तमान साझेदारों को ख्याति की राशि का भुगतान निजी तौर पर किया जाता है, फर्म की बहियों में कोई लेखा प्रविष्टि नहीं की जाएगी।

2. नया साझेदार अपने भाग की ख्याति को रोकड़ में लाता है एवं ख्याति की राशि को व्यवसाय में ही रखा जाता है : जब नया साझेदार अपने भाग की ख्याति के लिए रोकड़ लाता है, नए साझेदार द्वारा लाई गई राशि को वर्तमान साझेदारों में त्याग अनुपात में हस्तांतरित कर दिया जाएगा। यदि वर्तमान साझेदारों के स्थिति विवरण में कोई ख्याति खाता है, तो इसको तुरन्त साझेदारों के वर्तमान अनुपात से अपलिखित किया जायेगा। रोजनामचा प्रविष्टियाँ निम्न प्रकार होंगी—

(i) फर्म की बहियों में वर्तमान ख्याति को वर्तमान लाभ अनुपात में अपलिखित करने पर :

वर्तमान साझेदारों का पूँजी खाता	नाम (प्रत्येक का व्यक्तिगत)
ख्याति खाता से	
(वर्तमान ख्याति को अपलिखित किया)	

(ii) पूँजी एवं ख्याति के लिये रोकड़ लाने पर

रोकड़/बैंक खाता	नाम
ख्याति खाता से	
नए साझेदार का पूँजी खाता से	
(पूँजी एवं ख्याति के लिए रोकड़ लाया)	

टिप्पणी

(iii) ख्याति की राशि को वर्तमान साझेदारों के पूँजी खाते में हस्तांतरित करने के लिए

ख्याति खाता नाम

वर्तमान साझेदारों का पूँजी/चालू खाता से (व्यक्तिगत)

(ख्याति की राशि को वर्तमान साझेदारों के पूँजी खातो में त्याग अनुपात में जमा करने पर)

उदाहरण 10

तानया एवं सुमित एक फर्म में साझेदार हैं। अपने लाभ का विभाजन 5 : 3 के अनुपात में करते हैं। वे गौरी को लाभ में 1/4 भाग के लिये नए साझेदार के रूप में प्रवेश देते हैं। गौरी अपने भाग की ख्याति के लिए ₹ 30,000 एवं पूँजी के लिए ₹ 1,20,000 लाती है। गौरी के प्रवेश के बाद फर्म की बहियो में रोजनामचा प्रविष्टियाँ करें। नया लाभ-विभाजन अनुपात 2 : 1 : 1 होगा।

हल

तानया, सुमित एवं गौरी की बहियाँ

तिथि	*विवरण*	*खा.पृ. सं.*	*नाम राशि (₹)*	*जमा राशि (₹)*
1.	बैंक खाता नाम		1,50,000	
	ख्याति खाता से			30,000
	गौरी का पूँजी खाता से			1,20,000
	(गौरी द्वारा ख्याति एवं पूँजी के लिये रोकड़ लाने पर)			
	ख्याति खाता नाम		30,000	
	तानया का पूँजी खाता से			15,000
	सुमित का पूँजी खाता से			15,000
	(वर्तमान साझेदारों के पूँजी खातों में उनके लाभ विभाजन अनुपात में ख्याति का हस्तांतरण)			

कार्यकारी टिप्पणी :

त्याग अनुपात की गणना (वर्तमान अनुपात – नया अनुपात)

साझेदार	*वर्तमान अनुपात*	*नया अनुपात*	*त्याग*	*त्याग अनुपात*
तानया	5/8	2/4	5/8 – 2/4 = 1/8	तानया : सुमित
सुमित	3/8	1/4	3/8 – 1/4 = 1/8	1 : 1

टिप्पणी

ख्याति की राशि को वर्तमान साझेदारों द्वारा निकालने पर

(iv) वर्तमान साझेदारों का पूँजी/चालू खाता नाम (व्यक्तिगत)
रोकड/बैंक खाता से
(ख्याति की राशि वर्तमान साझेदारों द्वारा निकालने के लिए)

यह ध्यान देने योग्य है कि कभी-कभी साझेदार ख्याति की राशि का केवल 50% या 25% निकालते हैं। इस स्थिति में, प्रविष्टि केवल निकाली गई राशि से ही की जायेगी।

उदाहरण 11

पिछले उदाहरण में यह मान लें कि तानया एवं सुमित द्वारा ख्याति की पूर्ण राशि को निकाल लिया जाता है। फर्म की पुस्तको में रोजनामचा प्रविष्टि करें।

हल :

तनया सुमित एवं गौरी की बहियाँ

तिथि	*विवरण*	*खा.पृ. सं.*	*नाम राशि (₹)*	*जमा राशि (₹)*
	तान्या का पूँजी खाता नाम		15,000	
	सुमित का पूँजी खाता नाम		15,000	
	बैक खाता से			30,000
	(उनके द्वारा ख्याति की राशि निकालने पर)			

3. **नया साझेदार आपने भाग की ख्याति के लिए रोकड़ नहीं लाता :** जब फर्म की ख्याति की गणना की जाती है एवं नया साझेदार आपने भाग की ख्याति को रोकड़ में लाने के लिए असमर्थ है, ख्याति को नए साझेदार के पूँजी खाते द्वारा समायोजित किया जाएगा। इस स्थिति में नए साझेदार के पूँजी खाते को उसके भाग की ख्याति से नाम किया जाएगा एवं वर्तमान साझेदारों के पूँजी खातों को उनके त्याग अनुपात से जमा किया जाएगा। रोजनामचा प्रविष्टि इस प्रकार होगी।

नए साझेदार का पूँजी खाता नाम
वर्तमान साझेदारों का पूँजी खाता से (व्यक्तिगत त्याग अनुपात में)
(नए साझेदार के भाग की ख्याति को वर्तमान साझेदारों के उनके त्याग अनुपात में जमा किया गया)

टिप्पणी

फर्म की बहियो में ख्याति खाता दर्शाया गया हो एवं नया साझेदार अपने भाग की ख्याति को रोकड़ में नहीं लाता है

यदि फर्म की बहियों में ख्याति खाता दर्शाया गया है एवं नया साझेदार ख्याति की रोकड़ लाने में असमर्थ है, इस स्थिति में बहियो में विद्यमान ख्याति की राशि अपलिखित करने के लिए वर्तमान साझेदारों के पूँजी खातो को उनके वर्तमान लाभ विभाजन अनुपात में नाम किया जाएगा।

उदाहरण 12

असमिता एवं साहिल साझेदार हैं। लाभ का विभाजन 3 : 2 के अनुपात में करते हैं। वे चारू को भविष्य के लाभों में 1/4 भाग के लिए प्रवेश देने के लिए सहमत होते हैं। चारू पूँजी के रूप में ₹ 2,50,000 लाती है एवं अपने भाग की ख्याति को रोकड़ में लाने में असमर्थ है। फर्म की ख्याति का मूल्यांकन ₹ 1,80,000 किया गया। प्रवेश के समय फर्म की बहियों में ₹ 80,000 की ख्याति विद्यमान है। फर्म की बहियो में आवश्यक रोजनामचा प्रविष्टियाँ करें।

हल :

असमिता, साहिल एवं चारू की बहियाँ

तिथि	*विवरण*	*खा.पृ. सं.*	*नाम राशि (₹)*	*जमा राशि (₹)*
	बैंक खाता नाम चारू का पूँजी खाता से (अपनी पूँजी के चारू द्वारा रोकड़ लाने पर)		2,50,000	 2,50,000
	असमिता का पूँजी खाता नाम साहिल का पूँजी खाता नाम ख्याति खाता से (चारू के प्रवेश पर ख्याति को अपलिखित करने पर)		48,000 32,000	 80,000

	चारू का पूँजी खाता नाम
	  असमिता का पूँजी खाता से
	  साहिल का पूँजी खाता से
	(चारू के प्रवेश पर वर्तमान साझेदारों के पूँजी खातों को उनके त्याग अनुपात में जमा करने पर)
			36,000	
				21,600
				14,400

टिप्पणी

कार्यकारी टिप्पणी

असमिता एवं साहिल ने चारू के पक्ष में अपने लाभ का त्याग वर्तमान लाभ विभाजन अनुपात में किया जो कि 3 : 2 है अतः त्याग अनुपात 3 : 2 होगा।

ख्याति का मूल्य = ₹ 1,80,000

लाभ में चारू का भाग = 1/5

चारू का ख्याति में भाग = ₹ 1,80,000 × 1/5 = ₹ 36,000

नया साझेदार अपने भाग की ख्याति का केवल एक भाग लाता है

जब नया साझेदार अपने भाग की ख्याति की पूर्ण राशि रोकड़ में लाने में असमर्थ होता है एवं केवल एक भाग के लिए रोकड़ लाता है इस स्थिति में उसके द्वारा ख्याति की लाई गई राशि को ख्याति खाते में जमा किया जाता है। वर्तमान साझेदारों के पूँजी खातों में ख्याति के हस्तांतरण के समय, ख्याति खाते को उसके द्वारा भुगतान की गई ख्याति के साथ, नए साझेदार के पूँजी खाते को उसके अदत ख्याति के भाग को भी नाम किया जाएगा।

रोजनामचा प्रविष्टि इस प्रकार होगी।

बैंक खाता	नाम	
ख्याति खाता से		
(नये साझेदार द्वारा ख्याति का एक भाग लाने पर)		

ख्याति खाता	नाम	
नए साझेदार का पूँजी खाता	नाम	
वर्तमान साझेदारों का पूँजी खाता से	(व्यक्तिगत त्याग अनुपात में)	
(त्याग किए गए साझेदारों को जमा करने पर नए साझेदार की ख्याति के पूर्ण भाग से)		

उदाहरण 13

तनू एवं पुनीत साझेदार हैं लाभ का विभाजन 5 : 3 अनुपात में करते हैं। वे तरूण को लाभ में 1/6 भाग के लिए प्रवेश देते हैं जो कि वह 1/18 भाग तनू से एवं 2/18 भाग पुनीत से लेता है। तरूण अपने भाग की ख्याति के ₹ 12,000 में से ₹ 9,000 लाता है। फर्म की बहियों में कोई ख्याति खाता नहीं दर्शाया गया है। फर्म की बहियों में आवश्यक रोजनामचा प्रविष्टियाँ करें।

टिप्पणी

हल :

रोजनामचा

तिथि	विवरण	खा.पृ. सं.	नाम राशि (₹)	जमा राशि (₹)
	बैंक खाता नाम ख्याति खाता से (अपने भाग की ख्याति का तरूण द्वारा एक भाग लाने पर)		9,000	9,000
	ख्याति खाता नाम तरूण का पूँजी खाता नाम तनू का पूँजी खाता से पुनीत का पूँजी खाता से (ख्याति को तनु एवं पुनीत के त्याग अनुपात 2 : 1 में जमा करने पर)		9,000 3,000	 4,000 8,000

पाठगत प्रश्न 23.5

I. रिक्त स्थानों की पूर्ति उचित शब्द/शब्दों को भरकर कीजिए :

i. जब ख्याति का भुगतान निजी रूप में किया जाता है तब .....नहीं की जाती।

ii. जब नया साझेदार ख्याति की राशि लाता है, उसके द्वारा लाई गई ख्याति की राशि को ख्याति खाते में ..... किया जाता है

iii. नए साझेदार द्वारा ख्याति के लिए लाई गई राशि का हस्तांतरण वर्तमान साझेदारों में ..... अनुपात में किया जाएगा।

iv. नए साझेदार के प्रवेश के समय, फर्म की पुस्तकों में दिखाई गई ख्याति को ..... किया जाता है।

v. यदि नया साझेदार अपने भाग को ख्याति लाने में असमर्थ है तो नये साझेदार का पूँजी खाता उसके ख्याति के भाग के लिए ..... किया जाएगा।

II. 'अ' स्तम्भ की प्रविष्टि का उचित मिलान स्तम्भ में दिए गए स्थान में ठीक संख्या लिखकर करें

टिप्पणी

स्तम्भ (अ)	स्तम्भ (ब)
i. ख्याति निजी रूप में दी जाती है	(क) वर्तमान साझेदार का पूँजी खाता नाम ख्याति खाता से
ii. नया साझेदार ख्याति के लिए रोकड़ लाने में असमर्थ है	(ख) ख्याति खाता नाम वर्तमान साझेदार का पूँजी खाता से
iii. प्रवेश के समय बहियों में विद्यमान ख्याति को अपलिखित करने पर	(ग) नए साझेदार का पूँजी खाता नाम वर्तमान साझेदारों का पूँजी खाता से
iv. प्रवेश के समय, नए साझेदार द्वारा लाई गई ख्याति की राशि को वर्तमान साझेदारों के पूँजी खाते में हस्तांतरित करने के लिए।	(घ) कोई प्रविष्टि नहीं

संचय एवं संचित लाभ/हानि का लेखांकन अभिलेखन

वर्तमान साझेदारों के लाभ-हानि अनुपात में परिवर्तन की दशा में

स्थिति (i) जब संचय एवं संचित लाभ/हानि को पूंजी खातों में हस्तान्तरित किया जाना है :

लाभ आबंटन अनुपात में परिवर्तन के समय यदि फर्म की लेखा पुस्तकों में संचय अथवा संचित लाभ/हानि हैं तो इन्हें साझेदारों के पूंजी खातों में (यदि पूंजी परिवर्तनशील है) या फिर उनके चालू खातों में (यदि पूंजी स्थाई है) उनके पुराने लाभ आबंटन अनुपात में हस्तान्तरित कर देना चाहिए। इसका कारण है कि यह संचय एवं संचित लाभ/हानि लाभ आबंटन अनुपात में परिवर्तन से पूर्व में ही अर्जित किए जा चुके थे, इसीलिए इन पर साझेदारों का उनके पुराने लाभ आबंटन अनुपात में अधिकार है। इसके लिए निम्न प्रविष्टियाँ की जाएंगी–

i. संचय एवं संचित लाभ के हस्तान्तरण के लिए :

संचय खाता	नाम	
लाभ हानि खाता	नाम	
कर्मचारी क्षति पूर्ति संचय खाता	नाम	(वास्तविक देयता पर संचय अतिरेक)
निवेश परिवर्तन संचय खाता	नाम	(निवेशक मूल्य एवं बाजार मूल्य के अन्तर से संचय का आधिक्य)

टिप्पणी

पुराने साझेदारों के पूंजी खाते अथवा चालू खातों से (पुराने लाभ आबंटन अनुपात में)

(संचय/गैर आवंटित लाभ का साझेदारों के पूंजी खातों/चालू खातों में उनके पुराने लाभ आबंटन अनुपात में हस्तान्तरण)

ii. संचति हानियों के हस्तान्तरण के लिए :

पुराने साझेदारों के पूँजी खाते
अथवा चालू खाते नाम

लाभ–हानि खाता से

स्थगित आगम व्यय खाता से

(हानि/काल्पनिक सम्पतियों का साझेदारों के पूंजी खातों/चालू खातों में हस्तांतरण)

उदाहरण 14

सीता और गीता साझेदार हैं जो लाभ–हानि का 2 : 1 में आबंटन करते हैं। अप्रैल 2013 से उन्होंने लाभ का 3 : 2 में आबंटन का निर्णय लिया। उसी तिथि को लाभ एवं हानि खाता ₹ 6,00,000 का नाम शेष दर्शा रहा है। लाभ–हानि खाता के शेष के आबंटन की आवश्यक रोजनामचा प्रविष्टि कीजिए।

हल

रोजनामचा

तिथि	*विवरण*	*खा.पृ. सं.*	*नाम राशि (₹)*	*जमा राशि (₹)*
2013 अप्रैल 1	सीमा का पूँजी खाता नाम गीता का पूँजी खाता नाम लाभ हानि खाता से (लाभ आबंटन अनुपात में परिवर्तन पर गैर आबंटित हानि का हस्तान्तरण)		4,00,000 2,00,000	 6,00,000

उदाहरण 15

क, ख और ग साझेदार हैं और 4 : 3 : 2 में लाभ का आबंटन कर रहे हैं। 1 अप्रैल 2014 से उन्होंने लाभ का आबंटन समान अनुपात में करने का निर्णय लिया। उसी

टिप्पणी

तिथि को लाभ हानि खाता ₹ 3,60,000 तथा संचय खाता ₹ 90,000 का जमा शेष दर्शा रहा है। लाभ आबंटन एवं सामान्य संचय के आबंटन की रोजनामचा प्रविष्टि का अभिलेखन कीजिए।

हल

रोजनामचा

तिथि	*विवरण*	*खा.पृ. सं.*	*नाम राशि (₹)*	*जमा राशि (₹)*
2014				
अप्रैल 1	लाभ–हानि खाता नाम		3,60,000	
	सामान्य संचय नाम		90,000	
	क का पूँजी खाता से			2,00,000
	ख का पूँजी खाता से			1,50,000
	ग का पूँजी खाता से			1,00,000

उदाहरण 16

क, ख और ग जो लाभ हानि का आबंटन 3 : 2 : 1 के अनुपात में कर रहे हैं, ने निर्णय लिया कि 1 अप्रैल 2014 से उनका लाभ हानि आबंटन अनुपात 4 : 3 : 2 होगा। नीचे 31 मार्च 2014 को स्थिति विवरण निम्न दर्शा रहा है :

देयताएं	*₹*	*सम्पत्तियाँ*	*₹*
कर्मचारी क्षति पूर्ति संचय	3,00,000		

निम्न वैकल्पिक स्थितियों में लेखांकन अभिलेखन दर्शाइए :

स्थिति (i) यदि कोई अन्य सूचना नहीं है।

स्थिति (ii) यदि कर्मचारी क्षतिपूर्ति ₹ 1,20,000 का अनुमानित दावा है।

रोजनामचा

हल

तिथि	*विवरण*	*खा.पृ. सं.*	*नाम राशि (₹)*	*जमा राशि (₹)*
2014				
अप्रैल 1	स्थिति (i)			
	कर्मचारी क्षतिपूर्ति संचय खातानाम		3,00,000	
	क का पूँजी खाता से			1,50,000
	ख का पूँजी खाता से			1,00,000

टिप्पणी

	ग का पूँजी खाता से (कर्मचारी क्षतिपूर्ति संचय का साझेदारों के पूँजी खातों में उनके पुराने लाभ आबंटन अनुपात में हस्तान्तरण)			50,000
	स्थिति (ii) कर्मचारी क्षतिपूर्ति संचय खातानाम कर्मचारी क्षतिपूर्ति दावा प्रावधान खाता से क का पूँजी खाता से ख का पूँजी खाता से ग का पूँजी खाता से (अतिरिक्त कर्मचारी क्षतिपूर्ति संचय का साझेदारों के पूँजी खातों में उनके पुराने लाभ आबंटन अनुपात में हस्तान्तरण)		3,00,000	 1,20,000 90,000 60,000 30,000

स्थिति (ii) जब संचय एवं संचित लाभ/हानि का पूँजी खातों में हस्तान्तरण नहीं किया जाना है अथवा भविष्य के स्थिति विवरण में यह दर्शाया जाता रहेगा।

लाभ आबंटन अनुपात में परिवर्तन की स्थिति में यदि स्थिति विवरण संचय एवं संचित लाभ दर्शा रहा है तथा साझेदार संचय एवं संचित लाभ के आबंटन नहीं करने का निर्णय लेते हैं तो एक समायोजन प्रविष्टि आवश्यक होगा। क्योंकि वर्तमान साझेदार संचय एवं लाभों का आबंटन पुराने लाभ आबंटन अनुपात में करेंगे, इसीलिए जो साझेदार लाभ में हैं, उसे त्याग करने वाले साझेदार को संचय एवं लाभ में से उसे जो लाभ हुआ है उस अनुपात में क्षतिपूर्ति करनी चाहिए। उदाहरण के लिए माना कि P और Q जो लाभ का आबंटन 2 : 1 के अनुपात में कर रहे हैं अब लाभ का आबंटन बराबर के अनुपात में करना चाह रहे हैं, स्थिति विवरण में संचय ₹ 6,00,000 दिखाया गया है तथा साझेदार उसका वितरण करना नहीं चाह रहे हैं। ऐसी स्थिति में इस संचय का P को ₹ 4,00,000 मिलेंगे और Q को ₹ 2,00,000। लेकिन भविष्य में, लाभ अनुपात में परिवर्तन के पश्चात प्रत्येक को ₹ 3,00,000 मिलेंगे। Q को P को ₹ 1,00,000 की राशि क्षति पूर्ति के रूप में देनी चाहिए। यह राशि उसको मिले लाभ के अनुपात अर्थात $\frac{1}{6}$ $\left(\frac{1}{2}-\frac{1}{3}\right)$ है।

इस राशि का समायोजन निम्न समायोजन प्रविष्टि के द्वारा किया जाएगा।

टिप्पणी

तिथि	विवरण	खा.पृ. सं.	नाम राशि (₹)	जमा राशि (₹)
	Q का पूँजी खाता नाम P का पूँजी खाता से (संचय के लिए पूँजी खातों में समायोजन)		1,00,000	1,00,000

उदाहरण 17

M और N एक फर्म में साझेदार हैं और 4 : 3 के अनुपात में लाभ का बँटवारा कर रहे हैं। 31 मार्च 2014 को उनका स्थिति विवरण सामान्य संचय खाते में ₹7,00,000 दर्शा रहा है। उस तिथि को उन्होंने अपने लाभ आबंटन 5 : 3 के अनुपात में करने का निर्णय लिया। निम्न स्थितियों में फर्म की लेखा पुस्तकों में आवश्यक रोजनामचा प्रविष्टियां कीजिए :

i. जब वह सामान्य संचय को अपने पूँजी खातों में हस्तान्तरण करना चाहते हैं।

ii. जब वह सामान्य संचय का हस्तान्तरण अपने पूँजी खातों में नहीं करना चाहते बल्कि उसकी समायोजन प्रविष्टि करना चाहते हैं।

हल

विकल्प (i) जब सामान्य संचय को पूँजी खातों में हस्तान्तरित किया गया।

रोजनामचा

तिथि	विवरण	खा.पृ. सं.	नाम राशि (₹)	जमा राशि (₹)
2014 मार्च 31	सामान्य संचय खाता नाम M की पूँजी खाता से N की पूँजी खाता से (फर्म के पुनर्गठन पर सामान्य संचय का साझेदारों के पूँजी खातों में हस्तान्तरण)		7,00,000	 4,00,000 3,00,000

विकल्प (ii) : जब सामान्य संचय को पूँजी खातों में हस्तान्तरित नहीं किया गया।

M और N का पुराना लाभ आबंटन अनुपात 4 : 3

M और N का नया लाभ आबंटन अनुपात 5 : 3

टिप्पणी

त्याग अथवा लाभ

$$M = \frac{4}{7} - \frac{5}{8} = \frac{32-35}{56} = \quad \text{लाभ}$$

$$N = \frac{3}{7} - \frac{3}{8} = \frac{24-21}{56} = \quad \text{हानि}$$

इसलिए M की पूँजी खाते के नाम में तथा N के पूँजी खाते के जमा में (सामान्य संचय के $\frac{3}{56}$ भाग को) लिखा जाएगा।

रोजनामचा

तिथि	*विवरण*	*खा.पृ. सं.*	*नाम राशि (₹)*	*जमा राशि (₹)*
	M का पूँजी खाता नाम N का पूँजी खाता से (सामान्य संचय खाता को बंद न करने की स्थिति में समायोजन)		37,500	37,500

उदाहरण 18

X और Y एक फर्म में साझेदार थे तथा लाभ का आबंटन 3 : 1 के अनुपात में करते थे। वह 1 जनवरी 2014 से लाभ का आबंटन 2 : 1 में करने के लिए सहमत हुए। इसके लिए फर्म की ख्याति का मूल्यांकन ₹ 5,00,000 किया गया। फर्म की बहियों में सामान्य संचय ₹ 4,00,000 दिखाया गया है। साझेदार न तो ख्याति को बहियों में दिखाना चाहते हैं और न ही संचय का आबंटन चाहते हैं। आपको इस परिवर्तन को एक रोजनामचा प्रविष्टि के अभिलेखन द्वारा करना है।

हल

	₹
ख्याति का मूल्य	5,00,000
सामान्य संचय	4,00,000
X एवं Y का पुराना अनुपात	3 : 1
X एवं Y का नया अनुपात	2 : 1

त्याग अथवा लाभ

$$X = \frac{3}{4} - \frac{2}{3} = \frac{9-8}{12} = \quad \text{(त्याग)}$$

टिप्पणी

$$Y = \frac{1}{4} - \frac{1}{3} = \frac{3-4}{12} = \frac{1}{12} \text{ (लाभ)}$$

X Y की 9,00,000 के $\frac{1}{12}$ के बराबर अर्थात 75,000 की क्षति पूर्ति करेगा।

रोजनामचा

तिथि	*विवरण*	*खा.पृ. सं.*	*नाम राशि (₹)*	*जमा राशि (₹)*
2012 जन. 1	X का पूँजी खाता नाम Y का पूँजी खाता से (लाभ आबंटन अनुपात में परिवर्तन पर ख्याति एवं संचय का समायोजन)		75,000	 75,000

उदाहरण 19

P, Q और R साझेदार हैं और लाभ–हानि का आबंटन 2 : 3 : 4 में करते हैं। उन्होंने भविष्य में लाभ हानि का आबंटन 4 : 3 : 2 के अनुपात में करने का निर्णय लिया। निम्न के प्रभाव का वह बिना लेखा पुस्तकों के मूल्यों को प्रभावित किए अभिलेखन करना चाहते हैं :

	₹
सामान्य संचय	4,00,000
लाभ एवं हानि खाता	2,00,000
विज्ञापन उचन्ति खाता	1,50,000

आपको इसके लिए एक समायोजन प्रविष्टि करनी है।

हल

संचित लाभ/हानि के प्रभाव की गणना	₹
सामान्य संचय	4,00,000
जमा लाभ एवं हानि खाता	2,00,000
	6,00,000
घटा विज्ञापन उचन्त खाता	1,50,000

टिप्पणी

त्याग एवं लाभ गणना

P, Q एवं R का पुराना अनुपात $\frac{2}{3}:\frac{3}{9}:\frac{4}{9}$

P, Q एवं R का नया अनुपात $\frac{4}{9}:\frac{3}{9}:\frac{2}{9}$

त्याग अथवा लाभ

$$P = \frac{2}{9}-\frac{4}{9} = \frac{2}{9} \text{ लाभ}$$

$$Q = \frac{3}{9}-\frac{3}{9} = 0 \text{ (कोई लाभ अथवा हानि नहीं)}$$

$$R = \frac{4}{9}-\frac{2}{9} = \frac{2}{9} \text{ (त्याग)}$$

रोजनामचा

तिथि	*विवरण*	*खा.पृ. सं.*	*नाम राशि (₹)*	*जमा राशि (₹)*
	P का पूँजी खाता नाम R का पूँजी खाता से (सामान्य संचय, लाभ–हानि खाता शेष एवं विज्ञापन उच्चन्त खाता का लाभ–हानि अनुपात में परिवर्तन पर समायोजन)		1,00,000	1,00,000

उदाहरण 20

A, B एवं C जो लाभ एवं हानि का आबंटन 1 : 2 : 2 के अनुपात में कर रहे हैं, ने 1 अप्रैल 2013 से भविष्य में लाभ का आबंटन बराबर अनुपात में करने का निर्णय लिया। उसी तिथि को लाभ हानि खाता ₹ 2,40,000 का जमा शेष दिखा रहा है। साझेदार ने लाभ का आबंटन नहीं करना चाहते, लेकिन एक समायोजन प्रविष्टि के माध्यम से लाभ अनुपात में परिवर्तन का अभिलेखन करना चाहते हैं। समायोजन प्रविष्टि कीजिए :

हल :

A, B एवं C का पुराना अनुपात $\frac{1}{5}:\frac{2}{5}:\frac{2}{5}$

टिप्पणी

A, B एवं C का नया अनुपात $\frac{1}{3}:\frac{1}{3}:\frac{1}{3}$

त्याग अथवा लाभ

$$A = \frac{1}{5}-\frac{1}{3} = \frac{3-5}{15} = \frac{2}{15} \text{ लाभ}$$

$$B = \frac{2}{5}-\frac{1}{3} = \frac{6-5}{15} = \frac{1}{15} \text{ त्याग}$$

$$C = \frac{2}{5}-\frac{1}{3} = \frac{6-5}{15} = \frac{1}{15} \text{ त्याग}$$

तिथि	*विवरण*	*खा.पृ. सं.*	*नाम राशि (₹)*	*जमा राशि (₹)*
2013 अप्रैल 1	A का पूँजी खाता नाम B के पूँजी खाता से C के पूँजी खाता से (लाभ–हानि अनुपात में परिवर्तन पर लाभ–हानि खाता का समायोजन)		3,20,000	 1,60,000 1,60,000

23.4 वर्तमान साझेदारों के लाभ आबंटन अनुपात में परिवर्तन हाने पर ख्याति का लेखा समाधान

लाभ आबंटन अनुपात में परिवर्तन का अर्थ होता है कि एक साझेदार दूसरे साझेदार से लाभ के एक भाग का क्रय कर रहा है जो कि उस दूसरे साझेदार का था।

क्रय करने अथवा लाभ प्राप्त करने वाले साझेदार को त्याग करने वाले साझेदार को ख्याति का अनुपातन भाग क्षति पूर्ति के रूप में देगा। दूसरे शब्दों में लाभ प्राप्त करने वाला साझेदार त्याग करने वाले साझेदार को ख्याति का उसको प्राप्त लाभ के भाग के बराबर भुगतान करेगा। उदाहरण के लिए माना कि A और B $\frac{4}{5}:\frac{1}{5}$ के अनुपात में लाभ का आबंटन कर रहे हैं, यदि यह निर्णय लिया जाता है कि भविष्य में वह में लाभ का विभाजन करेंगे। इसका अर्थ हुआ कि A आने लाभ में से $\frac{1}{5}\left(\frac{4}{5}-\frac{3}{5}\right)$ भाग को B $\frac{3}{5}:\frac{2}{5}$ को बेच रहा है। यदि फर्म के लाभ ₹ 1,00,000 वार्षिक से लाभ प्राप्त करेगा। इसकी B को फर्म की वर्तमान ख्याति की राशि का $\frac{1}{5}$ भाग

टिप्पणी

के बराबर भुगतान कर क्षतिपूर्ति करनी होगी। यदि ख्याति का मूल्य ₹ 5,00,000 है तो B को ₹ 5,00,000 का $\frac{1}{5}$ अर्थात ₹ 1,00,000 का भुगतान A को करना होगा।

इसका समायोजन समायोजन प्रविष्टि के द्वारा किया जाएगा। B के खाते के नाम में ₹ 1,00,000 तथा A के पूँजी खाते में ₹ 1,00,000 जमा में लिखा जाएगा।

उदाहरण 21

M और N एक फर्म में साझेदार थे और 3 : 2 में लाभ का बंटवारा करते थे। उन्होंने 31 मार्च 2014 से लाभ का बराबर अनुपात में आबंटन करना तय किया। इसके लिए ख्याति का मूल्य ₹ 3,00,000 आंका गया। समायोजन प्रविष्टि कीजिए –

हल

M और N का पुराना अनुपात = 3 : 2

M और N का नया अनुपात = 1 : 1

त्याग अथवा लाभ

$$M = \frac{3}{5} - \frac{1}{2} = \frac{1}{10} \text{ (त्याग)}$$

$$N = \frac{2}{5} - \frac{1}{2} = \frac{1}{10} \text{ (लाभ)}$$

अब क्योंकि M ने त्याग किया है इसलिए उसके जमा में 3,00,000 का $\frac{1}{10}$ अर्थात 30,000 लिखा जाएगा और क्योंकि N को लाभ हुआ है, उसके लिए खाते के नाम में 3,00,000 का $\frac{1}{10}$ अर्थात ₹ 30,000 लिखा जाएगा।

रोजनामचा

तिथि	*विवरण*	*खा.पृ. सं.*	*नाम राशि (₹)*	*जमा राशि (₹)*
2014 मार्च 31	N का पूँजी खाता नाम M का पूँजी खाता से (लाभ आबंटन अनुपात में परिवर्तन के कारण ख्याति का समायोजन)		30,000	 30,000

टिप्पणी

उदाहरण 22

A, B और C साझेदार हैं और लाभ का आबंटन बराबर अनुपात में कर रहे हैं। उन्होंने निर्णय लिया कि भविष्य में C का लाभ में 1/5 भाग होगा। इस परिवर्तन के दिन ख्याति का मूल्य 6,00,000 आंका गया। ख्याति के लेखा व्यवहार के लिए आवश्यक समायोजन कीजिए।

हल

A, B और C का पुराना अनुपात $\frac{1}{3}:\frac{1}{3}:\frac{1}{3}$

A, B और C का नया अनुपात $\frac{2}{5}:\frac{2}{5}:\frac{1}{5}$

त्याग अथवा लाभ

A = $\frac{1}{3}-\frac{2}{5}=\frac{5-6}{15}$ = $\frac{1}{15}$ लाभ

B = $\frac{1}{3}-\frac{2}{5}=$ $\frac{1}{15}$ लाभ

C = $\frac{1}{3}-\frac{1}{5}=\frac{5-3}{15}=\frac{2}{15}$ त्याग

ख्याति के लाभ अथवा हानि के भाग की गणना कुल ख्याति ₹ 6,00,000

A के भाग का लाभ = $6,00,000\times\frac{1}{15}$ = ₹ 40,000

B के भाग का लाभ = $6,00,000\times\frac{1}{15}$ = ₹ 40,000

C के भाग की हानि = $6,00,000\times\frac{2}{15}$ = ₹ 80,000

उदाहरण 23

P, Q और R साझेदार हैं और लाभ–हानि का 5 : 4 : 1 में बंटवारा कर रहे हैं। यह निर्णय लिया गया कि 1 जनवरी 2014 से लाभ–हानि अनुपात 9 : 6 : 5 होगा। ख्याति का मूल्यांकन 3 वर्ष के लाभ की औसत के 2 वर्ष के क्रय पर किया गया। वर्ष 2011, 2012 एवं 2013 का लाभ क्रमशः 96,000; 84,000 तथा 1,20,000 था। ख्याति का खाता खोले बगैर ख्याति के लेखा के लिए रोजनामचा प्रविष्टि कीजिए।

टिप्पणी

हल

औसत लाभ $= \frac{96,000+84,000+1,20,000}{3} = 1,00,000$

2 वर्ष के क्रय पर ख्याति का मूल्य = 1,00,000 × 2 = ₹ 2,00,000

P, Q और R का पुराना अनुपात 5 : 4 : 1

P, Q और R का नया अनुपात 9 : 6 : 5

त्याग अथवा लाभ

$P = \frac{8}{10} - \frac{9}{20} = \frac{10-9}{20} = \frac{1}{20}$ त्याग

$Q = \frac{4}{5} - \frac{6}{20} = \frac{8-6}{20} = \frac{2}{20}$ त्याग

$R = \frac{1}{5} - \frac{5}{20} = \frac{2-5}{20} = \frac{3}{20}$ लाभ

अब क्योंकि

P ने त्याग किया है, इसलिए उसके जमा में लिखा जाएगा :

$$2,00,000 \times \frac{1}{20} = 10,000$$

Q ने त्याग त्याग किया है उसके जमा में लिखा जाएगा :

$$2,00,000 \times \frac{2}{20} = 20,000$$

R को लाभ मिला है उसके नाम में लिखा जाएगा :

$$2,00,000 \times \frac{3}{20} = 30,000$$

रोजनामचा

तिथि	*विवरण*	*खा.पृ. सं.*	*नाम राशि (₹)*	*जमा राशि (₹)*
	R का पूँजी खाता नाम		30,000	
	P के पूँजी खाता से			10,000
	Q का पूँजी खाता से			20,000
	(लाभ आबंटन अनुपात में परिवर्तन पर ख्याति का निदान)			

टिप्पणी

उदाहरण 24

A, B और C लाभ का बंटवारा 3 : 2 : 1 के अनुपात में करते थे। यह तय हुआ कि अब वह लाभ का आबंटन बराबर भाग में करेंगे। ख्याति की राशि का मूल्य 3,00,000 आंका गया। बहियों में ख्याति की राशि नहीं दिखाई गई है। ख्याति के लेखा व्यवहार के लिए समायोजन प्रविष्टि कीजिए।

हल

A, B और C का पुराना अनुपात 3 : 2 : 1

A, B और C का नया अनुपात 1 : 1 : 1

त्याग और लाभ

$A = \frac{3}{6} - \frac{1}{3} = \frac{3-2}{6} = \frac{1}{6}$ त्याग

$B = \frac{2}{6} - \frac{1}{3} = \frac{2-2}{6} = 0$

$C = \frac{1}{6} - \frac{1}{3} = \frac{1-2}{6} = \frac{1}{6}$ लाभ

अब क्योंकि A ने त्याग किया उसके जमा में 3,00,000 का $\frac{1}{6}$ अर्थात ₹ 50,000 लिखा जाएगा।

C को लाभ मिला है उसके खाते के नाम में 3,00,000 का $\frac{1}{6}$ अर्थात ₹ 50,000 लिखा जाएगा।

रोजनामचा

तिथि	*विवरण*	*खा.पृ. सं.*	*नाम राशि (₹)*	*जमा राशि (₹)*
	C का पूँजी खाता नाम A का पूँजी खाता से (लाभ आबंटन अनुपात में परिवर्तन पर ख्याति के लिए समायोजन)		50,000	50,000

उदाहरण 25

राम और रमेश साझेदार थे और लाभ का बंटवारा 3 : 1 के अनुपात में करते थे।

टिप्पणी

उन्होंने निश्चय किया कि 1 जनवरी 2013 से वह लाभ–हानि का बंटवारा 5 : 3 के अनुपात में करेंगे। साझेदारी संलेख में प्रावधान है कि लाभ–हानि अनुपात में परिवर्तन पर ख्याति का निर्धारण निर्णय के प्रभावी वर्ष से पूर्व के दो वर्षों के कुल लाभ के बराबर होगा। वर्ष 2010, 2011 और 2012 के लाभ क्रमशः ₹ 6,00,000; ₹ 7,00,000 एवं ₹ 9,00,000 थे। उपर्युक्त व्यवस्था को प्रभावी बनाने के लिए रोजनामचा प्रविष्टि कीजिए।

हल

ख्याति का मूल्य = 7,00,000 + 9,00,000 = 16,00,000

त्याग अथवा लाभ की गणना

राम और रमेश का पुराना अनुपात 3 : 1

राम और रमेश का नया अनुपात 5 : 3

राम = $\frac{3}{4}-\frac{5}{6} = \frac{6-5}{8} = \frac{1}{8}$ त्याग

रमेश = $\frac{1}{4}-\frac{3}{8} = \frac{2-3}{8} = \frac{1}{8}$ लाभ

अब क्योंकि

राम ने त्याग किया है उसके जमा में 16,00,000 का $\frac{1}{8}$ जमा होगा = 2,00,000

रमेश को लाभ हुआ है उसके नाम में लिखा जाएगा 16,00,000 $\frac{1}{8}$ = 2,00,000

रोजनामचा

तिथि	*विवरण*	*खा.पृ. सं.*	*नाम राशि (₹)*	*जमा राशि (₹)*
2003 जन. 1	रमेश का पूँजी खाता नाम राम का पूँजी खाता से (लाभ आबंटन अनुपात में परिवर्तन पर ख्याति का समायोजन)		2,00,000	 2,00,000

23.5 परिसम्पतियों एवं दायित्वों का पुनर्मूल्यांकन (Revaluation of Assets and Liabilities)

नए साझेदार के प्रवेश पर फर्म का पुर्नगठन होता है एवं इसके कारण परिसम्पतियों का पुनर्मूल्यांकन एवं दायित्वों का पुनर्निर्धारण किया जाता है। यह नए साझेदार के प्रवेश के समय फर्म की सत्य स्थिति दिखाने के लिए आवश्यक है। यदि परिसम्पतियों

टिप्पणी

का मूल्य अधिक होता है तो लाभ के कारण वर्तमान साझेदारों की पूँजी में वृद्धि होगी। इसी प्रकार परिसम्पतियों के मूल्य में कोई कमी होने पर, हानि से वर्तमान साझेदारों की पूँजी में कमी होगी। इस उद्देश्य के लिए पुनर्मूल्यांकन खाता (Revaluation account) तैयार किया जाता है। इस खाते में परिसम्पतियों के मूल्य में वृद्धि एवं दायित्वों के मूल्य में कमी को जमा किया जाएगा। परिसम्पतियों के मूल्य में कमी एवं दायित्वों के मूल्यों में वृद्धि से इस खाते को नाम किया जाएगा। इस खाते का शेष पुनर्मूल्यांकन पर लाभ या हानि दिखाएगा, जो कि वर्तमान साझेदारों के पूँजी खातों में उनके वर्तमान लाभ विभाजन अनुपात में हस्तांतरित किया जाएगा। इस उद्देश्य के लिए निम्न रोजनामचा प्रविष्टियाँ की जाएंगी :

(i) परिसम्पतियों के मूल्य में वृद्धि के लिए
परिसम्पति खाता नाम (व्यक्तिगत)
पूर्नमूल्यांकन खाता से
(परिसम्पतियों के मूल्य में वृद्धि)

(ii) परिसम्पतियों के मूल्य में कमी के लिए
पुनर्मूल्यांकन खाता नाम (व्यक्तिगत)
परिसम्पति खाता से
(परिसम्पतियों के मूल्य में कमी)

(iii) दायित्वों के मूल्य में वृद्धि के लिए :
पुनर्मूल्यांकन खाता नाम (व्यक्तिगत)
दायित्व खाता से
(दायित्वों के मूल्य में वृद्धि)

(iv) दायित्वों के मूल्य में कमी के लिए :
दायित्व खाता नाम
पुनर्मूल्यांकन खाता से
(दायित्वों के मूल्य में कमी)

(v) गैर अभिलेखित परिसम्पत्तियों के लिए
परिसम्पत्ति खाता (गैर अभिलेखित) नाम
पुनर्मूल्यांकन खाता से
(गैर अभिलेखित परिसम्पत्तियों का वास्तविक मूल्य से लेखा)

(vi) गैर अभिलेखित दायित्वों के लिए
पुनर्मूल्यांकन खाता नाम
दायित्व खाता से (गैर–अभिलेखित)
(गैर–अभिलेखित दायित्वों का वास्तविक मूल्य पर लेखा)

टिप्पणी

(vii) पुनर्मूल्यांकन पर लाभ को हस्तांतरित करने के लिए
पुनर्मूल्यांकन खाता नाम
वर्तमान साझेदार की पूँजी/चालू खाता से
(पुनर्मूल्यांकन पर लाभ का पूँजी खाते में वर्तमान अनुपात में हस्तांतरण)

(viii) पुनर्मूल्यांकन से हानि को हस्तातरित करने पर :
वर्तमान साझेदार का पूँजी खाता/चालू खाता नाम
पुनर्मूल्यांकन खाता से
(पुनर्मूल्यांकन पर हानि का पूँजी खातों में वर्तमान अनुपात में हस्तांतरण)

पुनर्मूल्यांकन खाते का प्रारूप निम्न है :

पुनर्मूल्यांकन खाता

नाम जमा

विवरण	*राशि (₹)*	*विवरण*	*राशि (₹)*
परिसम्पत्तियाँ (कमी मूल्य से)		परिसम्पत्तियाँ (वृद्धि मूल्य से)	
दायित्व (वृद्धि मूल्य से)		दायित्व (कमी मूल्य से)	
दायित्व (गैर–अभिलेखित)		परिसम्पत्तियाँ (गैर–अभिलेखित)	
लाभ का पूँजी खाते में हस्तांतरण (व्यक्तिगत वर्तमान अनुपात में)		हानि का पूँजी खाते में हस्तांतरण (व्यक्तिगत वर्तमान अनुपात में)	

उदहारण 26

P, Q और R साझेदार हैं, जो लाभ को 3 : 3 : 2 में बांट रहे हैं। 31 मार्च 2013 को उनका स्थिति विवरण इस प्रकार है :

देयताएं		*₹*	*सम्पत्तियां*	*₹*
विविध लेनदार		2,40,000	बैंक में रोकड़	3,70,000
सामान्य संचय		3,60,000	विविध देनदार	4,40,000
पूँजी खाता :			स्टॉक	12,00,000
P	20,00,000		मशीनरी	15,90,000
Q	15,00,000		भवन	20,00,000
R	15,00,000	50,00,000		
		56,00,000		56,00,000

टिप्पणी

साझेदारों ने 1 अप्रैल 2013 से लाभ–हानि का आबंटन 4 : 3 : 2 के अनुपात में करने का निर्णय लिया इस पर सहमति हुई :

i. स्टॉक का मूल्यांकन ₹ 11,00,000 पर होगा।

ii. मशीनरी पर 10% अवक्षयण लगाया जाएगा।

iii. देनदारों पर 5% की दर से प्राप्य ऋणों के लिए प्रावधान किया जाएगा।

iv. भवन के मूल्य में 20% की वृद्धि की जाएगी।

v. लेनदारों की देनदारी ₹ 25,000 की देयता का भुगतान नहीं करना होगा।

साझेदारों में सहमति बनी कि पुस्तकों में संशोधित मूल्य दिखाए जाएंगे।

रोजनामचा प्रविष्टियां कीजिए। यद्यपि वे सामान्य संचय को वितरित नहीं करना चाहता। साझेदारों के पूँजी खाते बनाइए एवं संशोधित स्थिति विवरण भी बनाइए।

हल :

रोजनामचा

तिथि	*विवरण*	*खा.पृ. सं.*	*नाम राशि (₹)*	*जमा राशि (₹)*
	पुनर्मूल्यांकन खाता नाम		2,81,000	
	स्टॉक खाता से			1,00,000
	मशीनरी खाता से			1,59,000
	संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान से			22,000
	(सम्पत्तियों के मूल्य में कमी तथा संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान)			
	भवन खाता नाम		4,00,000	
	विविध लेनदार खाता नाम		25,000	
	पूनर्मूल्यांकन खाता से			4,25,000
	(भवन के मूल्य में वृद्धि तथा लेनदारों में कमी)			
	पुनर्मूल्यांकन खाता नाम		1,44,000	
	P का पूँजी खाता से			54,000
	Q का पूँजी खाता से			54,000
	R का पूँजी खाता से			36,000
	(पुनर्मूल्यांकन पर लाभ का साझेदारों के पूँजी खातों में हस्तान्तरण पुराने अनुपात में)			

टिप्पणी

	P का पूँजी खाता नाम		25,000	
	Q का पूँजी खाता से			15,000
	R का पूँजी खाता से			10,000
	(लाभ आबंटन अनुपात में परिवर्तन पर सामान्य संचय का समायोजन)			

कार्यकारी :

(1) पुनर्मूल्यांकन खाता

देयताएं	₹	*सम्पत्तियां*	₹
स्टॉक खाता	1,00,000	भवन खाता	4,00,000
मशीनरी खाता	1,59,000	विविध लेनदार	25,000
संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान	22,000		
पुनर्मूल्यांकन पर लाभ हस्तांतरित :			
P का पूँजी खाता 3/8	54,000		
Q का पूँजी खाता 3/8	54,000		
R का पूँजी खाता 2/5	36,000		
	4,25,000		4,25,000

(2) सामान्य संचय के लिए समायोजन

P, Q और R का पुराना अनुपात 3 : 3 : 2

P, Q और R का नया अनुपात 4 : 3 : 2

त्याग अथवा लाभ

$$P = \frac{3}{8} - \frac{4}{9} = \frac{5}{72} \text{ लाभ}$$

$$Q = \frac{3}{8} - \frac{3}{9} = \frac{3}{72} \text{ त्याग}$$

$$R = \frac{2}{8} - \frac{2}{9} = \frac{2}{72} \text{ त्याग}$$

अब क्योंकि P को लाभ हुआ है इसलिए उसके खाते के नाम के सामान्य संचय का 5/72 भाग लिखा जाएगा अर्थात $3,60,000 \times \frac{5}{72}$ = ₹ 25,000

टिप्पणी

अब क्योंकि Q ने त्याग किया है इसलिए उसके खाते के जमा में सामान्य संचय का 3/72 जमा किया जाएगा अर्थात $3,60,000 \times \frac{3}{72}$ = ₹ 15,000

अब क्योंकि R ने त्याग किया है इसलिए उसके खाते के जमा में सामान्य संचय का 2/72 भाग लिखा जाएगा अर्थात $3,60,000 \times \frac{2}{72}$ = ₹ 10,000

पूँजी खाता

विवरण	P	Q	R	विवरण	P	Q	R
Q का पूँजी खाता	15,000			शेष आ. ला.	20,00,000	15,00,000	15,00,000
R का पूँजी खाता	10,000			पूनर्मूल्यांकन खाता	54,000	54,000	36,000
शेष आ. ले.	20,44,000	15,64,000	15,36,000	P का पूँजी खाता	15,000	10,000	
	20,69,000	15,64,000	15,36,000		20,69,000	15,64,000	15,36,000

स्थिति विवरण

देयताएं		₹	*सम्पत्तियां*		₹
विभिन्न लेनदार		2,15,000	बैंक में शेष		3,70,000
सामान्य संचय		3,60,000	विविध लेनदार	4,40,000	
पूँजी खाता :			*घटा :* संदिग्ध ऋणों		
P	20,44,00		के लिए प्रावधान	22,000	4,18,000
Q	15,64,000		स्टॉक		11,00,000
R	15,36,000	51,44,000	मशीनरी		14,31,000
			भवन		24,00,000
		57,19,000			57,19,000

उदाहरण 27

राम, मोहन और सोहन साझेदार हैं और 3 : 2 : 1 के अनुपात में लाभ का विभाजन कर रहे हैं। 31 दिसम्बर 2012 को उनका स्थिति विवरण इस प्रकार है :

देयताएं		₹	*सम्पत्तियां*		₹
लेनदार		8,700	रोकड़		3,000
संचय		4,200	देनदार	6,200	
लाभ–हानि खाता (लाभ)		2,100	*घटा :* संदिग्ध ऋणों		
पूँजी खाता :			के लिए प्रावधान	200	6,000
राम	30,000		स्टॉक		18,000

टिप्पणी

मोहन	30,000		फर्नीचर	3,000
सोहन	5,000	65,000	संयन्त्र	20,000
			भवन	30,000
		80,000		80,000

साझेदारों ने तय किया कि 1 जनवरी 2013 से वह 4 : 4 : 1 के अनुपात में लाभ–हानि का विभाजन करेंगे उनमें समझौता हुआ कि :

i. स्टॉक का मूल्य 28% कम होगा।

ii. संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान को ₹ 150 से बढ़ाया जाएगा।

iii. फर्नीचर पर 20% और संयन्त्र पर 15% अवक्षयण लगाया जाएगा।

iv. अदत्त वेतन ₹ 350 होगा।

v. भवन का मूल्य ₹ 35,000 होगा।

vi. ख्याति का मूल्य ₹ 4,500 होगा।

साझेदार पुस्तकों में सम्पत्तियों एवं देयताओं के परिवर्तित मूल्य का अभिलेखन नहीं करना चाहते तथा संचय एवं गैर आबंटित लाभ को यथा स्थिति में रखना चाहते हैं। उन्होंने यह भी निर्णय लिया कि ख्याति को पुस्तकों में न दिखाया जाए।

उपरोक्त को प्रभाव में लाने के लिए एक रोजनामचा प्रविष्टि बनाइए। संशोधित स्थिति विवरण भी बनाइए।

हल :

	₹	₹
स्टॉक के मूल्य में कमी के कारण हानि	3,600	
संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान के कारण हानि	150	
फर्नीचर के मूल्य में कमी के कारण हानि	600	
संयन्त्र के मूल्य में कमी के कारण हानि	3,000	
गैर अभिलेखित देयता (जैसे कि अदत्त वेतन) के कारण हानि	350	7,700
भवन के मूल्य की वृद्धि के कारण लाभ		5,000
पूनर्मूल्यांकन पर हानि		– (2,700)
संचय के लिए समायोजन		+ 4,200
लाभ एवं हानि खाता (लाभ) के लिए समायोजन		+ 2,100
ख्याति के लिए समायोजन		+ 4,500
		8,100

टिप्पणी

राम, मोहन और सोहन का पुराना अनुपात 3 : 2 : 1

राम, मोहन और सोहन का नया अनुपात 4 : 4 : 1

त्याग अथवा लाभ

राम = $\frac{3}{6}-\frac{4}{9}=\frac{1}{18}$ (त्याग) $8{,}100\times\frac{1}{18}$ = ₹ 450 (जमा)

मोहन = $\frac{2}{6}-\frac{4}{9}=\frac{2}{18}$ (लाभ) $8{,}100\times\frac{2}{18}$ = ₹ 900 (नाम)

सोहन = $\frac{1}{6}-\frac{1}{9}=\frac{1}{18}$ (त्याग) $8{,}100\times\frac{1}{18}$ = ₹ 450 (जमा)

रोजनामचा

तिथि	*विवरण*	*खा.पृ. सं.*	*नाम राशि (₹)*	*जमा राशि (₹)*
2013				
जन. 1	मोहन का पूँजी खाता नाम राम का पूँजी खाता से सोहन का पूँजी खाता से (लाभ अनुपात में परिवर्तन पर सम्पत्तियों, देयताओं एवं संचय, लाभ एवं ख्याति के पुनर्मूल्यांकन के लिए समायोजन)		900	 450 450

उदाहरण 28

सरोज, चारू और संगीता एक फर्म में 5 : 4 : 2 के अनुपात की साझेदार हैं। 1 अप्रैल 2014 को उन्होंने लाभ का आबंटन 4 : 3 : 2 के अनुपात में करने का निर्णय किया। इस तिथि को सामान्य संचय ₹ 3,49,000 था तथा सम्पत्तियों एवं देयताओं के पुनर्मूल्यांकन पर हानि ₹ 52,000 थी। यह निर्णय लिया गया कि स्थिति विवरण में सम्पत्तियों एवं देयताओं की राशियों में परिवर्तन किए बिना समायोजन किया जाए।

एक रोजनामचा प्रविष्टि के द्वारा समायोजन कीजिए।

हल :

सामान्य संचय	3,49,000
(–) पुनर्मूल्यांकन पर हानि	52,000
लाभ की शुद्ध राशि	2,97,000

टिप्पणी

सरोज, चारू एवं संगीता का पुराना लाभ–हानि अनुपात 5 : 4 : 2

सरोज, चारू एवं संगीता का नया लाभ–हानि अनुपात 4 : 3 : 2

त्याग अथवा लाभ

सरोज $= \frac{5}{11} - \frac{4}{9} = \frac{1}{99}$ त्याग $2,97,000 \times \frac{1}{99} = 3,000$ (जमा)

चारू $= \frac{4}{11} - \frac{3}{9} = \frac{3}{99}$ त्याग $2,97,000 \times \frac{3}{99} = 9,000$ (जमा)

संगीता $= \frac{2}{11} - \frac{2}{9} = \frac{4}{99}$ (लाभ) $2,97,000 \times \frac{4}{99} = 12,000$ (नाम)

रोजनामचा

तिथि	*विवरण*	*खा.पृ. सं.*	*नाम राशि (₹)*	*जमा राशि (₹)*
2014 अप्रैल 1	संगीता का पूँजी खाता नाम सरोज का पूँजी खाता से चारू का पूँजी खाता से (लाभ आबंटन अनुपात में परिवर्तन पर सामान्य संचय एवं सम्पत्तियों एवं देयताओं के पुनर्मूल्यांकन पर हानि के लिए समायोजन)		12,000	 3,000 9,000

उदाहरण 29

A, B और C साझेदार हैं और लाभ–हानि का विभाजन 3 : 3 : 2 के अनुपात में करते हैं। 31 मार्च 2014 को उनका स्थिति विवरण निम्न था :

देयताएं		*₹*	*सम्पत्तियां*	*₹*
विविध लेनदार		2,400	बैंक में रोकड़	3,700
सामान्य संचय		3,600	विभिन्न लेनदार	4,400
पूँजी खाते			स्टॉक	12,000
A	20,000		मशीनरी	15,900
B	15,000		भवन	20,000
C	15,000	50,000		
		56,000		56,000

टिप्पणी

साझेदारों ने निर्णय लिया कि 1 अप्रैल 2014 से वह लाभ और हानि का आबंटन 4 : 3 : 2 के अनुपात में करेंगे। उन्होंने यह तय किया :

i. स्टॉक का मूल्य ₹ 11,000 लगाया गया।

ii. मशीनरी पर 10% अवक्षयण लगाया गया।

iii. देनदारों पर 5% की दर से संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान करना है।

iv. भवन के मूल्य में 20% की वृद्धि की जानी है।

v. लेनदारों में सम्मिलित ₹ 250 की देयता नहीं बनती है।

साझेदारों ने तय किया कि संशोधित मूल्यों का पुस्तकों में अभिलेखन न किया जाए। वह सामान्य संचय का वितरण भी नहीं करना चाहते। आपने रोजनामचा प्रविष्टि करनी है। साझेदारों के पूँजी खाते बनाने हैं तथा स्थिति विवरण तैयार करना है।

हल :

रोजनामचा

तिथि	*विवरण*	*खा.पृ. सं.*	*नाम राशि (₹)*	*जमा राशि (₹)*
2014				
1 अप्रैल	A का पूँजी खाता नाम		350	
	B का पूँजी खाता से			210
	C का पूँजी खाता से			140
	(लाभ–हानि अनुपात में परिवर्तन पर सम्पतियों एवं देयताओं के पूर्नमूल्यांकन तथा सामान्य संचय पर समायोजन)			

पूँजी खाता

विवरण	A	B	C	विवरण	A	B	C
B का पूँजी खाता	210			शेष आ. ला.	20,000	15,000	15,000
C का पूँजी खाता	140			A का पूँजी खाता	–	210	140
शेष आ. ले.	19,650	15,210	15,140				
	20,000	15,210	15,140		20,000	15,210	15,140

स्थिति विवरण

1 अप्रैल 2014 को

देयताएं	*₹*	*सम्पत्तियां*	*₹*
विविध लेनदार	2,400	बैंक में रोकड़	3,700

टिप्पणी

सामान्य संचय		3,600	विभिन्न देनदार		4,400
पूँजी खाता :			स्टॉक		12,000
A	19,650		मशीनरी		15,900
B	15,210		भवन		20,000
C	15,140	50,000			
		56,000			56,000

कार्यकारी टिप्पणी :

1.	स्टॉक के मूल्य में कमी के कारण हानि	1,000	
	मशीन के मूल्य में कमी के कारण हानि	1,590	
	संदिग्ध ऋणों के प्रावधान के कारण हानि	220	2,810
	भवन के मूल्य में वृद्धि के कारण लाभ	4,000	
	विविध लेनदारों में कमी के कारण लाभ	250	4,250
	पूनर्मूल्यांकन पर लाभ		1,440
	+ सामान्य संचय		3,600
			50,400

2. A, B और C का पुराना अनुपात 3 : 3 : 2

A, B और C का नया अनुपात 4 : 3 : 2

त्याग अथवा लाभ

त्याग अनुपात = पुराना भाग – नया भाग

$A = \frac{3}{8} - \frac{4}{9} = \frac{5}{72}$ लाभ $5{,}040 \times \frac{5}{72} = ₹\ 350$ नाम

$B = \frac{3}{8} - \frac{3}{9} = \frac{3}{72}$ त्याग $5{,}040 \times \frac{3}{72} = ₹\ 210$ जमा

$C = \frac{2}{8} - \frac{2}{9} = \frac{2}{72}$ त्याग $5{,}040 \times \frac{2}{72} = ₹\ 140$ जमा

उदाहरण 30

करन एवं तरूण साझेदार हैं और लाभ का विभाजन 2:1 के अनुपात में करते हैं। उनका स्थिति विवरण निम्न है :

टिप्पणी

दिसंबर 31, 2014 को करन एवं तरूण का स्थिति विवरण

दायित्व		₹	*परिसम्पत्तियां*	₹
लेनदार		10,000	हस्तस्थ रोकड़	7,000
देय विपत्र		7,000	देनदार	26,000
पूँजी			भवन	20,000
करन	40,000		विनियोग	15,000
तरूण	30,000	70,000	मशीनरी	13,000
			स्टॉक	6,000
		87,000		87,000

1 जनवरी 2014 को निखिल को साझेदार के रूप में प्रवेश दिया गया। परिसम्पत्तियों का पुनर्मूल्यांकन एवं दायित्वों का पुनर्निर्धारण निम्न है।

(i) देनदारों पर संदिग्ध ऋण के लिए ₹ 800 का प्रावधान किया जाएगा।

(ii) भवन एवं विनियोग में 10 प्रतिशत की वृद्धि की जाएगी।

(iii) मशीनरी पर 5 प्रतिशत ह्रास लगाया गया।

(iv) लेनदारों का अनुमान ₹ 500 अधिक लगया गया है।

आवश्यक रोजनामचा प्रविष्टियाँ करें एवं निखिल के प्रवेश से पहले पुनर्मूल्यांकन खाता बनाइए।

हल :

रोजनामचा

तिथि	*विवरण*	*खा.पृ. सं.*	*नाम राशि (₹)*	*जमा राशि (₹)*
	पुनर्मूल्यांकन खाता नाम संदिग्ध ऋण के लिए प्रावधान खाते से (संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान करने पर)		800	 800
	भवन खाता नाम विनियोग खाता नाम पुनर्मूल्यांकन खाता से (भवन एवं विनियोग के मूल्य में वृद्धि)		2,000 1,500	 3,500

टिप्पणी

	पुनर्मूल्यांकन खाता नाम मशीनरी खाता से (मशीनरी के मूल्य में कमी)		650	650
	लेनदार खाता नाम पुनर्मूल्यांकन खाता से (लेनदारो का मूल्य ₹ 500 से कम)		500	500

पुनर्मूल्यांकन खाता

नाम जमा

विवरण	₹	*विवरण*	₹
संदिग्ध ऋण के लिए प्रावधान	800	भवन	2,000
मशीनरी	650	विनियोग	1,500
लाभ का हस्तांतरण		लेनदार	500
करन की पूँजी 1,700			
तरून की पूँजी 850	2550		
	4,000		4,000

23.6 सचयों एवं संचित लाभ व हानि का समायोजन (Adjustments of Reserves and Accumulated Profit or Losses)

नए साझेदार के प्रवेश के समय स्थिति विवरण में दिखाए गए संचित लाभ एवं संचय को वर्तमान साझेदारों के पूँजी खाते में उनके वर्तमान लाभ विभाजन अनुपात में जमा किया जाएगा। यदि यहाँ पर हानि है तो उसको वर्तमान साझेदारों में वर्तमान अनुपात में नाम किया जाएगा। इस उद्देश्य के लिए निम्न रोजनामचा प्रविष्टियाँ की जाएंगी।

(i) अविभाजित लाभ एवं संचयों के विभाजन के लिए
संचय खाता नाम
लाभ एवं हानि खाता (लाभ) नाम
साझेदार का पूँजी खाता से (व्यक्तिगत)
(संचय एवं लाभ हानि (लाभ) का सभी साझेदारों के पूँजी खातों में वर्तमान लाभ विभाजन अनुपात में हस्तांतरण)

(ii) हानि के विभाजन के लिए :
साझेदारों का पूँजी खाता नाम (व्यक्तिगत)
लाभ हानि खाता (हानि) से
(लाभ हानि (हानि) का साझेदारों के पूँजी खातों में वर्तमान लाभ विभाजन अनुपात में हस्तांतरण)

टिप्पणी

उदाहरण 31

रोहित एवं सोनिया साझेदार हैं। लाभ का विभाजन 4 : 3 के अनुपात में करते हैं। 1 अप्रैल 2014 को वे मीना को लाभ में 1/4 भाग के लिए नए साझेदार के रूप में प्रवेश देते हैं। इस तिथि को फर्म का स्थिति विवरण ₹ 70,000 सामान्य संचय एवं लाभ हानि खाते का ₹ 21,000 नाम शेष दिखाता है। आवश्यक रोजनामचा प्रविष्टियाँ करें।

हल :

रोजनामचा

तिथि	*विवरण*	*खा.पृ. सं.*	*नाम राशि (₹)*	*जमा राशि (₹)*
	सामान्य संचय खाता नाम		70,000	
	रोहित का पूँजी खाता से			40,000
	सोनिया का पूँजी खाता से			30,000
	(सामान्य संचय का वर्तमान साझेदारों के पूँजी खाते में हस्तांतरण)			
	रोहित का पूँजी खाता नाम		12,000	
	सोनिया का पूँजी खाता नाम		9,000	
	लाभ हानि खाता से			21,000
	(संचित हानि का वर्तमान साझेदारों के पूँजी खातों में हस्तांतरण)			

उदाहरण 32

भानू एवं एकता साझेदार हैं और लाभ एवं हानि का विभाजन क्रमशः 3 : 2 के अनुपात में करते हैं। दिसंबर, 31, 2014 को उनका स्थिति विवरण निम्न है :

दिसंबर 31, 2014 को भानू एवं एकता का स्थिति विवरण

दायित्व		*₹*	*परिसम्पत्तियां*	*₹*
लेनदार		28,000	हस्तस्थ रोकड़	3,000
पूँजी			बैंक में रोकड़	23,000
भानू	70,000		देनदार	19,000
एकता	70,000	1,40,000	भवन	65,000
			फर्नीचर	15,000
			मशीनरी	13,000
			स्टॉक	30,000
		1,68,000		1,68,000

इस तिथि को वे दीपक को भविष्य के लाभो में 1/3 भाग के लिए निम्न शर्तो पर साझेदारी में प्रवेश देते हैं :

(i) फर्नीचर एवं स्टॉक पर 10 प्रतिशत ह्रास लगाया जाएगा।

(ii) भवन के मूल्य में ₹ 20,000 की वृद्धि होगी।

(iii) देनदारों पर संदिग्ध ऋण के लिए 5 प्रतिशत का प्रावधान किया जाएगा।

(iv) दीपक अपनी पूँजी के लिए ₹ 50,000 एवं ख्याति के लिए ₹ 30,000 लाएगा।

आवश्यक बही खाते एवं नई फर्म का स्थिति विवरण बनाइये।

टिप्पणी

हल :

पुनर्मूल्यांकन खाता

नाम | जमा

विवरण		राशि (₹)	विवरण	राशि (₹)
संदिग्ध ऋण के लिए प्रावधान		950	भवन	20,000
फर्नीचर		1,500		
स्टॉक		3,000		
लाभ का हस्तांतरण				
भानू का पूँजी खाता	8,730			
एकता का पूँजी खाता	5,820	14,550		
		20,000		20,000

पूँजी खाता

नाम | जमा

विवरण	भानू (₹)	एकता (₹)	दीपक (₹)	विवरण	भानू (₹)	एकता (₹)	दीपक (₹)
शेष आ/ले	96,730	87,820	50,000	शेष आ/ला	70,000	70,000	—
				पुनर्मूल्यांकन (लाभ)	8,730	5,820	—
				बैंक	—	—	50,000
				ख्याति	18,000	12,000	—
	96,730	87,820	50,000		96,730	87,820	50,000

टिप्पणी

दिसंबर 31, 2006 को भानू एकता एवं दीपक का स्थिति विवरण

दायित्व		*(₹)*	*परिसम्पत्तियां*		*(₹)*
लेनदार		28,000	हस्तस्थ रोकड़		3,000
पूँजी			बैंक में रोकड़		1,03,000
भानू	96,730		देनदार	19,000	
एकता	87,820		देनदार प्रावधान	950	18,050
दीपक	50,000	2,34,550	स्टॉक		27,000
			फर्नीचर		13,500
			मशीनरी		13,000
			भवन		85,000
		2,62,550			2,62,550

उदाहरण 33

आशू एवं पंकज साझेदार हैं। लाभ का विभाजन 3 : 2 के अनुपात में करते हैं। मार्च 31, 2014 को उनका स्थिति विवरण निम्न है :

मार्च 31, 2014 को आशू एवं पंकज का स्थिति विवरण

दायित्व		*(₹)*	*परिसम्पत्तियां*	*(₹)*
लेनदार		38,000	हस्तस्थ रोकड़	15,000
देय विपत्र		40,000	बैंक में रोकड़	62,000
अदत वेतन		5,000	देनदार	58,000
लाभ एवं हानि		40,000	स्टॉक	85,000
पूँजी			मशीनरी	1,45,000
आशू	1,50,000		ख्याति	38,000
पंकज	1,30,000	2,80,000		
		4,03,000		4,03,000

31 मार्च, 2014 को वे गुरुदीप को साझेदारी में निम्न शर्तों पर प्रवेश देते हैं

(क) नया लाभ विभाजन अनुपात 3 : 2 : 1 होगा।

(ख) वह पूँजी में भाग के लिए ₹ 1,00,000 एवं ₹ 3,00,00 ख्याति के लिए लाएगा।

(ग) मशीनरी में 10 प्रतिशत की वृद्धि होगी

(घ) देनदारों पर संदिग्ध ऋणों के लिए 4 प्रतिशत का प्रावधान होगा।

पुनर्मूल्यांकन खाता, पूँजी खाते, बैंक खाता एवं गुरुदीप के प्रवेश के बाद नई फर्म का स्थिति विवरण तैयार करें।

टिप्पणी

हल :

पुनर्मूल्यांकन खाता

नाम जमा

विवरण	राशि (₹)	विवरण	राशि (₹)
संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान	2,320	मशीनरी	14,500
लेनदार	6,000	स्टॉक	2,000
लाभ का हस्तांतरण			
आशू का पूँजी खाता 4,908			
पंकज का पूँजी खाता 3,272	8,180		
	16,500		16,500

पूँजी खाता

नाम जमा

विवरण	आशू (₹)	पंकज (₹)	गुरुदीप (₹)	विवरण	आशू (₹)	पंकज (₹)	गुरुदीप (₹)
ख्याति	22,800	15,200	—	शेष आ/ला	1,50,000	1,30,000	—
शेष आ/ले	1,74,108	1,46,072	1,00,000	लाभ एवं हानि खाता	24,000	16,000	—
				पुनर्मूल्यांकन	4,908	3,272	—
				बैंक	—	—	1,00,000
				ख्याति	18,000	12,000	—
	1,96,908	1,61,272	1,00,000		1,96,908	1,61,272	1,00,000

मार्च 31, 2014 को आशू पंकज एवं गुरुदीप का स्थिति विवरण

दायित्व	(₹)	परिसम्पत्तियां	(₹)
लेनदार	44,000	हस्तस्थ रोकड़	15,000
देय विपत्र	40,000	बैंक में रोकड़	1,92,000
अदत वेतन	5,000	देनदार 58,000	
पूँजी		*घटा :* संदिग्ध ऋणो के लिए प्रावधान 2,320	55,680
आशू 1,74,108		स्टॉक	87,000
पंकज 1,46,072		मशीनरी	1,59,500
गुरुदीप 1,00,000	4,20,180		
	5,09,180		5,09,180

टिप्पणी

बैंक खाता

नाम जमा

विवरण	राशि (₹)	विवरण	राशि (₹)
शेष आ/ला	62,000	शेष आ/ले	1,92,000
गुरुदीप का पूँजी खाता	1,00,000		
ख्याति	30,000		
	1,92,000		1,92,000

कार्यकारी टिप्पणी :

त्याग अनुपात = वर्तमान अनुपात – नया अनुपात

साझेदार	वर्तमान अनुपात	नया अनुपात	त्याग	त्याग अनुपात
आशू	3/5	3/6	$\frac{18-15}{30}=\frac{3}{30}$	
पंकज	2/5	2/6	$\frac{12-10}{30}=\frac{2}{30}$	3 : 2

उदाहरण 34

हिमानी एवं हर्ष एक फर्म में साझेदार हैं। मार्च 31, 2014 को उनका स्थिति विवरण निम्न है :

मार्च 31, 2014 को हिमानी एवं हर्षा का स्थिति विवरण

दायित्व		(₹)	परिसम्पत्तियां	(₹)
संदिग्ध ऋणों के लिये प्रावधान		3,000	रोकड़	20,000
			विविध देनदार	90,000
लेनदार		36,000	स्टॉक	45,000
देय विपत्र		15,000	मशीनरी	41,000
अदत व्यय		2,000	भवन	1,10,000
पूँजी			ख्याति	40,000
हिमानी	1,70,000			
हर्षा	1,20,000	2,90,000		
		3,46,000		3,46,000

टिप्पणी

वे अप्रैल 1, 2014 को चारू को निम्न शर्तों पर साझेदारी में प्रवेश देते हैं।

(i) चारू अपने भाग की पूँजी के लिए ₹ 90,000 लाएगी एवं ख्याति के लिए राशि लाने में असमर्थ है।

(ii) ख्याति का मूल्यांकन पिछले 4 वर्षों के औसत लाभ के 2 वर्षों के क्रय से किया जाएगा। पिछले चार वर्षों की लाभ राशि क्रमशः ₹ 20,000; ₹ 30,000; ₹ 30,000; ₹ 40,000 है।

(iii) हिमानी, हर्षा एवं चारू के बीच नया लाभ विभाजन अनुपात 3:2:1 है।

(iv) अदत व्ययों को ₹ 500 तक लाया जाएगा।

(v) संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान को 5% तक बढ़ाया जाएगा।

(vi) मशीनरी पर 10% ह्रास लगाया जाएगा एवं स्टॉक का मूल्यांकन ₹ 47,000 किया गया।

पुनर्मूल्यांकन खाता, साझेदारों के पूँजी खाते एवं नई फर्म का आरंभिक स्थिति विवरण तैयार करें।

हल

पुनर्मूल्यांकन खाता

नाम जमा

विवरण	*राशि (₹)*	*विवरण*		*राशि (₹)*
संदिग्ध ऋणों के लिये प्रावधान	1,500	अदत व्यय		1,500
मशीनरी	4,100	स्टॉक		2,000
		पुनर्मूल्यांकन पर हानि का पूँजी खाते में हस्तांतरण		
		हिमानी का पूँजी खाता	1,050	
		हर्षा का पूँजी खाता	1,050	2,100
	5,600			5,600

पूँजी खाता

नाम जमा

विवरण	*हिमानी (₹)*	*हर्षा (₹)*	*चारू (₹)*	*विवरण*	*हिमानी (₹)*	*हर्षा (₹)*	*चारू (₹)*
ख्याति	20,000	20,000	-	शेष आ/ले	1,70,000	1,20,000	-

टिप्पणी

पुनर्मूल्यांकन (हानि)	1,050	1,050		चारू की पूँजी	`	10,000	`
				बैंक	`	`	90,000
हर्ष की पूँजी			10,000				
शेष आ/ले	1,48,950	1,08,950	80,000				
	1,70,000	1,30,000	90,000		1,70,000	1,30,000	90,000

मार्च 31, 2014 को हिमानी, हर्षा एवं चारू का स्थिति विवरण

दायित्व		*(₹)*	*परिसम्पत्तियां*	*(₹)*
संदिग्ध ऋणों के लिये प्रावधान		4,500	रोकड़	70,000
			बैंक	90,000
			विविध देनदार	90,000
लेनदार		36,000	स्टॉक	47,000
देय विपत्र		15,000	मशीनरी	36,900
अदत व्यय		500	भवन	1,10,000
पूँजी				
हिमानी	1,48,950			
हर्षा	1,08,950			
चारू	80,000	2,90,000		
		3,93,900		3,93,900

कार्यकारी टिप्पणी

(i) ख्याति का मूल्यांकन

कुल लाभ = ₹ 20,000 + ₹ 30,000 + ₹ 30,000 + ₹ 40,000
= ₹ 1,20,000

औसत लाभ = ₹ 1,20,000/4 = ₹ 30,000

ख्याति = ₹ 30,000 × 2 = ₹ 60,000

ख्याति में चारू का भाग = ₹ 60,000 × 1/6 = ₹ 10,000

(ii) त्याग अनुपात = वर्तमान अनुपात − नया अनुपात

हिमानी $= \frac{3}{6} - \frac{3}{6} = 0$

हर्षा $= \frac{3}{6} - \frac{2}{6} = \frac{1}{6}$

केवल हर्षा ने अपने भाग का लाभ का त्याग किया है।

टिप्पणी

पाठगत प्रश्न 23.4

I. रिक्त स्थानों की पूर्ति उचित शब्द/शब्दों द्वारा कीजिए :

(i) पुनर्मूल्यांकन खाते को ..... के मूल्य में वृद्धि के लिए नाम किया जाता है।

(ii) पुनर्मूल्यांकन खाते को ..... के मूल्य में वृद्धि के लिए जमा किया जाता है।

(iii) पुनर्मूल्यांकन खाते को ..... के मूल्य में कमी के लिए जमा किया जाता है।

(iv) पुनर्मूल्यांकन खाते को ..... के मूल्य में कमी के लिए नाम किया जाता है।

(v) पुनर्मूल्यांकन पर लाभ का हस्तांतरण साझेदारों के पूँजी खाते के ..... में किया जाता है।

(vi) वर्तमान साझेदारों के बीच संचय का विभाजन उनके ..... में किया जाएगा।

(vii) संचित हानियों को वर्तमान साझेदारों के पूँजी खातों में उनके लाभ विभाजन अनुपात में ..... किया जाता है।

II. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

i. वर्तमान साझेदारों के लाभ आबंटन अनुपात में परिवर्तन की स्थिति में संचित लाभ को उनके पूँजी खातों/चालू खातों में हस्तान्तरित कर दिया जाएगा –

(क) पुराने लाभ हानि अनुपात में (ख) बराबर

(ग) नए लाभ आबंटन अनुपात में (घ) लाभ/त्याग अनुपात में

ii. वर्तमान साझेदारों के लाभ आबंटन अनुपात में परिवर्तन पर संचित लाभ–हानि को

(क) साझेदारों के पूँजी खातों के नाम में पुराने लाभ आबंटन अनुपात में बांटा जाएगा

(ख) साझेदारों के पूँजी खातों के जमा में उनके पुराने आबंटन अनुपात में बांटा जाएगा।

(ग) साझेदारों के पूँजी खातों के नाम में उनके नए लाभ आबंटन अनुपात में लिखा जाएगा।

(घ) साझेदारों के पूँजी खातों के नाम में उनके नए लाभ अनुपात में लिखा जाएगा।

iii. यदि A और B का लाभ अनुपात 3 : 2 है और अब वह बराबर लाभ बांटना चाहते हैं तो A का त्याग क्या है?

टिप्पणी

(क) 1/10 (ख) 1/20 (ग) 1/15 (घ) 1/5

iv. यदि A और B का लाभ आबंटन अनुपात 4 : 5 है, वह लाभ का बंटवारा बराबर करना चाहते हैं B का त्याग क्या होगा?

(क) 1/18 (ख) 1/10 (ग) 5/18 (घ) 7/18

v. यदि A और B का आबंटन अनुपात 5 : 4 है और अब वह लाभ बराबर आबंटन के लिए सहमत हैं तो B का लाभ होगा

(क) 2/9 (ख) 1/18 (ग) 1/8 (घ) 4/9

III. वर्तमान साझेदारों के लाभ आबंटन अनुपात में परिवर्तन निम्न सम्पत्तियों के पुनर्मूल्यांकन पर पुनर्मूल्यांकन खाते के नाम में लिखा जाएगा अथवा जमा में :

i. भवन के मूल्य में वृद्धि

ii. स्टॉक के मूल्य में वृद्धि

iii. मशीनरी के मूल्य में कमी

iv. फर्नीचर के मूल्य में कमी

IV. लिखें कि निम्न कथन सत्य हैं अथवा असत्य :

i. मशीनरी के अवक्षयण पर पुनर्मूल्यांकन खाते के नाम में लिखा जाता है।

ii. संयन्त्र के अवक्षयण के लिए पुनर्मूल्यांकन खाते के जमा में लिखा जाएगा।

iii. अप्राप्य एवं संदिग्ध ऋणों के लिए पुनर्मूल्यांकन खाते के नाम में लिखा जाएगा।

iv. गैर अभिलेखित सम्पत्ति के मूल्य के अभिलेखन के लिए पुनर्मूल्यांकन खाते के नाम में लिखा जाएगा।

23.7 साझेदारों की पूँजी का समायोजन

कभी-कभी, साझेदार के प्रवेश के समय, साझेदार अपनी पूँजी को लाभ विभाजन अनुपात के अनुसार समायोजित करने के लिए सहमत होते हैं। इस उद्देश्य के लिए, सभी वर्तमान साझेदारों के पूँजी खाते तैयार किए जाते हैं जिसमें ख्याति, सामान्य संचय, परिसम्पत्तियों का पुनर्मूल्यांकन एवं दायित्वों का पुनर्निधारण आदि सभी समायोजन किए जाते हैं। समायोजित की गई वास्तविक पूँजी का मिलान, साझेदार के प्रवेश के बाद व्यवसाय में रखी गई पूँजी की राशि से किया जाता है। समायोजित वास्तविक पूँजी, यदि अनुपातिक पूँजी से अधिक है तो उसे निकाल लिया जाएगा या चालू खाते में हस्तांतरित किया जाएगा।

साझेदार नई फर्म के लिए रखी जाने वाली पूँजी की गणना का निर्णय ले सकते हैं जो या तो नए साझेदार की पूँजी के आधार पर एवं उसके लाभ विभाजन अनुपात के अनुसार या वर्तमान साझेदारों में पूँजी खातों के शेष के आधार पर होगी।

टिप्पणी

1. वर्तमान साझेदारों की पूँजी का समायोजन, नए साझेदार की पूँजी के आधार पर :

यदि नए साझेदार की पूँजी दी गई है, तो नई फर्म की संपूर्ण पूँजी का निर्धारण, नए साझेदार की पूँजी एवं उसके लाभ विभाजन अनुपात के आधार पर किया जाएगा। इसलिए अन्य साझेदारों की पूँजी का निर्धारण कुल पूँजी को उनके लाभ विभाजन अनुपात के अनुसार विभाजित करके किया जाएगा।

यदि, समायोजन के पश्चात् साझेदारों की वर्तमान पूँजी उसकी नई पूँजी से अधिक है, अधिक राशि को साझेदार द्वारा निकाल लिया जाता है या उसके चालू खाते के जमा में हस्तांतरित किया जाएगा। यदि साझेदार की वर्तमान पूँजी नई पूँजी से कम है, साझेदार कमी की राशि को लाएगा या उसके चालू खाते के नाम में हस्तांतरण करेगे। इसके लिए निम्न रोजनामचा प्रविष्टियाँ की जाएंगी :

(i) जब अधिक राशि को साझेदार द्वारा निकाल लिया जाता है या चालू खाते में हस्तांतरित किया जाता है।

वर्तमान साझेदार का पूँजी खाता		नाम
बैंक/साझेदार का चालू खाता से		
(अधिक राशि साझेदार द्वारा निकालने पर या चालू खाते में हस्तांतरित करने पर)		

(ii) कमी की राशि लाने पर या शेष चालू खाते में हस्तांतरित करने पर

बैंक/साझेदार का चालू खाता		नाम
वर्तमान साझेदार का पूँजी खाता से		
(कमी की राशि या शेष का चालू खाते में हस्तांतरण)		

उदाहरण 35

आशा एवं बाबी साझेदार हैं। लाभ का विभाजन 5 : 3 के अनुपात में करते हैं। उनकी पूँजी क्रमशः ₹ 80,000 एवं ₹ 70,000 है। वे नए साझेदार नितिन को प्रवेश देते हैं। आशा, बाबी और नितिन में नया लाभ विभाजन अनुपात क्रमशः 5 : 3 : 2 है। नितिन ₹ 40,000की पूँजी लाता है परिसम्पत्तियों के पुनर्मूल्यांकन एवं दायित्वों के पुनर्निर्धारण से लाभ ₹ 6,400 है। यह सहमति हुई कि साझेदारों की पूँजी नए लाभ विभाजन अनुपात में होगी। प्रत्येक साझेदार की नई पूँजी की गणना करें।

हल :

आशा और बाबी की वास्तविक पूँजी

टिप्पणी

	आशा (₹)	बाबी (₹)
पूँजी खातों में शेष	80,000	70,000
जोड़ा पुनर्मूल्यांकन पर लाभ (5 : 3)	4,000	2,400
समायोजन के बाद पूँजी	84,000	72,400

फर्म की नई पूँजी एवं वर्तमान साझेदारों की पूँजी की गणना

फर्म में नितिन का भाग = 2/10

नितिन 2/10 भाग के लिए ₹ 40,000 लाता है।

नितिन की पूँजी के आधार पर नई फर्म की कुल पूँजी = 40,000 × 10/2

= ₹ 2,00,000

नई पूँजी में आशा का भाग = 2,00,000 × 5/10 = 1,00,000

नई पूँजी में बाबी का भाग = 2,00,000 × 3/10 = 60,000

आशा की समायोजित पूँजी का नई पूँजी से मिलान करने पर हमें ज्ञात हुआ कि आशा ₹ 16,000 लाएगी (₹ 1,00,000 – ₹ 84,000) या राशि को उसके चालू खाते के नाम में लेखा किया जाएगा।

बाबी की समायोजित पूँजी का नई पूँजी से मिलान करने पर हमें ज्ञात हुआ कि बाबी ₹ 12,400 निकालकर ले जाएगा (₹ 72,400 – ₹ 60,000) या राशि को उसके चालू खाते के जमा में लिखा जाएगा।

2. जब नए साझेदार की पूँजी की गणना नई फर्म की कुल पूँजी के अनुपात में की जाएगी।

कभी-कभी नए साझेदार की पूँजी नहीं दी गई होती। वह लाभ में अपने भाग की अनुपातिक पूँजी लाएगा। इस स्थिति में नए साझेदार की पूँजी की गणना वर्तमान साझेदारों की समायोजित पूँजी के आधार पर की जाएगी।

उदाहरण के लिए : सुमित एवं अनू का पूँजी खाता सभी समायोजनों एवं पुनर्मूल्यांकन के बाद क्रमश ₹ 90,000 एवं ₹ 60,000 शेष दर्शाते हैं। वे रोहित को लाभ में 1/4 भाग के लिए नया साझेदार बनाते हैं। रोहित की पूँजी की गणना इस प्रकार होगी।

कुल भाग	=	1
लाभ में रोहित का भाग	=	1/4
शेष भाग	=	1 – 1/4 = 3/4

टिप्पणी

3/4 भाग के लाभ के लिये सुमित एवं अनु की संयुक्त पूँजी
= ₹ 90,000 + ₹ 60,000 = ₹ 1,50,000

फर्म की कुल पूँजी = 1,50,000 × 4/3
= ₹ 2,00,000

1/4 भाग के लाभ के लिये रोहित की पूँजी = ₹ 2,00,000 × 1/4 = ₹ 50,000

रोहित अपनी पूँजी के लिये ₹ 50,000 लायेगा।

उदाहरण 36

मनोज एवं हेमा साझेदार हैं तथा लाभ–हानि का विभाजन 7 : 3 के अनुपात में करते हैं। मार्च 31, 2014 को इनका स्थिति विवरण निम्न है :

मार्च 31, 2014 को मनोज एवं हेमा का स्थिति विवरण

दायित्व		*(₹)*	*परिसम्पत्तियां*	*(₹)*
पूँजी			बैंक	12,000
मनोज	88,000		विविध देनदार	45,000
हेमा	64,000	1,52,000	प्राप्य विपत्र	30,000
विविध लेनदार		32,000	स्टॉक	35,000
देय विपत्र		38,000	विनियोग	13,000
संचय		18,000	मशीनरी	40,000
			भवन	45,000
			ख्याति	20,000
		2,40,000		2,40,000

वे तरून को साझेदारी में निम्न शर्तो पर प्रवेश देते हैं–

(i) स्टॉक का पुनर्मूल्यांकन ₹ 40,000 हुआ।

(ii) भवन, मशीनरी एवं विनियोग पर 12% ह्रास लगाया जाएगा।

(iii) पूर्वदत बीमा ₹ 1,000 है।

(iv) तरून पूँजी के लिए ₹ 40,000 एवं ₹ 12,000 ख्याति के लिए, फर्म के लाभ में 1/6 भाग के लिए लाएगा।

(v) साझेदारों की पूँजी उनके लाभ विभाजन अनुपात के अनुपातिक होगी। पूँजी में समायोजन रोकड़ द्वारा किया जाएगा।

पुनर्मूल्यांकन खाता, साझेदारों के पूँजी खाते, रोकड़ खाता एवं नई फर्म का स्थिति विवरण तैयार करें।

हल :

पुनर्मूल्यांकन खाता

नाम   जमा

विवरण	(₹)	विवरण		(₹)
भवन	5,400	स्टॉक		5,000
मशीनरी	4,800	पूर्वदत बीमा		1,000
विनियोग	1,560	हानि का हस्तांतरण		
		मनोज की पूंजी	4,032	
		हेमा की पूँजी	1,728	5,760
	11,760			11,760

पूँजी खाता

नाम   जमा

विवरण	मनोज (₹)	हेमा (₹)	तरूण (₹)	विवरण	मनोज (₹)	हेमा (₹)	तरूण (₹)
ख्याति	14,000	6,000	`	शेष आ/ले	88,000	64,000	—
पुनर्मूल्यांकन	4,032	1,728	`	समान्य संचय	12,600	5,400	—
(हानि)				ख्याति	8,400	3,600	
बैंक	`	5,272	`	बैंक	`	`	40,000
शेष आ/ले	1,40,000	60,000	40,000	बैंक	49,032	—	—
	1,58,032	73,000	40,000		1,58,032	73,000	40,000

मार्च 31, 2006 को मनोज, हेमा एवं तरून का स्थिति विवरण

दायित्व		(₹)	परिसम्पत्तियां	(₹)
देय विपत्र		38,000	बैंक	1,07,760
विविध लेनदार		32,000	प्राप्य विपत्र	30,000
पूँजी खाता			विविध देनदार	45,000
मनोज	1,40,000		स्टॉक	40,000
हेमा	60,000		विनियोग	11,440
तरून	40,000	2,40,000	पूर्वदत बीमा	1,000
			मशीनरी	35,200
			भवन	39,600
		3,10,000		3,10,000

टिप्पणी

बैंक खाता

नाम जमा

विवरण	(₹)	विवरण	(₹)
शेष आ/ला	12,000	हेमा का पूँजी खाता	5,272
मनोज का पूँजी खाता	49,032	शेष आ/ले	1,07,760
ख्याति	12,000		
तरून की पूँजी	40,000		
	1,13,032		1,13,032

कार्यकारी टिप्पणी

(अ) नये लाभ विभाजन अनुपात की गणना

कुल लाभ = 1

तरून ने लिया = 1/6

शेष भाग = 1 – 1/6

= 5/6 मनोज एवं हेमा द्वारा उनके वर्तमान लाभ विभाजन अनुपात में विभाजन

मनोज का नया भाग = 5/6 × 7/10 = 7/12

हेमा का नया भाग = 5/6 × 3/10 = 3/12

मनोज, हेमा एवं तरून में नया लाभ विभाजन अनुपात = 7/12 : 3/12 : 1/6 या 7 : 3 : 2.

(ब) पूँजी का समायोजन

तरून 1/6 भाग के लिये पूँजी लाया = ₹ 40,000

फर्म की कुल पूँजी = ₹ 40,000 × 6/1 = ₹ 2,40,000

मनोज की पूँजी = ₹ 2,40,000 × 7/12 = ₹ 1,40,000

हेमा की पूँजी = ₹ 2,40,000 × 3/12 = ₹ 60,000

तरून की पूँजी = ₹ 2,40,000 × 2/12 = ₹ 40,000

टिप्पणी

पाठगत प्रश्न 21.5

तनू एवं अनू साझेदार हैं। लाभ का विभाजन 3 : 2 के अनुपात में करते हैं। वे लाभ में 1/5 भाग के लिए नए साझेदार सुमित को प्रवेश देते हैं। वह अपनी पूजी के लिए ₹ 50,000 लाएगा। सभी समायोजनों के पश्चात तनू एवं अनू की पूँजी क्रमशः ₹ 95,000 एवं ₹ 90,000 है। फर्म की कुल पूँजी एवं नए साझेदार की पूँजी के आधार पर प्रत्येक साझेदार की पूँजी की गणना करें।

आपने क्या सीखा

- **साझेदार का प्रवेश – अर्थ :** जब वर्तमान साझेदारी फर्म में नए साझेदार को प्रवेश दिया जाता है वह साझेदार का प्रवेश कहलाता है।

  नए साझेदार के प्रवेश पर, निम्न समायोजन किए जाने आवश्यक है :

  (i) लाभ विभाजन अनुपात में समायोजन

  (ii) ख्याति में समायोजन

  (iii) परिसम्पत्तियों के पुनर्मूल्यांकन एवं दायित्वों के पुर्ननिर्धारण के लिए समायोजन

  (iv) संचित लाभों एवं सचयों का विभाजन

  (v) साझेदारों की पूँजी का समायोजन

- **लाभ विभाजन अनुपात में समायोजन :** जब नया साझेदार प्रवेश करता है वह वर्तमान साझेदारों से आपने भाग के लाभ का अधिग्रहण करता है जिसके परिणामस्वरूप, नई फर्म में लाभ विभाजन अनुपात का निर्णय नए साझेदार एवं वर्तमान साझेदारों के बीच परस्पर लिया जाता है।

- **त्याग अनुपात :** नए साझेदार के प्रवेश के समय, वर्तमान साझेदार अपने भाग का कुछ हिस्सा नए साझेदार के पक्ष में समर्पण कर देते हैं। जिस अनुपात में वे अपने लाभों का समर्पण करते हैं वह त्याग अनुपात कहलाता है

- **ख्याति का अर्थ :** स्थापित फर्म अपने वृहत व्यावसायिक संबंध बनाती है। यह फर्म को नई फर्म की तुलना में अधिक लाभ अर्जित करने में सहायता करता है। इस लाभ का मौद्रिक मूल्य ख्याति कहलाता है।

- **ख्याति का मूल्यांकन करने की विधियाँ :** (i) औसत लाभ विधि (ii) अधिलाभ विधि (iii) पूँजीकरण विधि

टिप्पणी

- **परिसम्पत्तियों एवं दायित्वों का पुनर्मूल्यांकन :** नए साझेदार के प्रवेश पर, फर्म का पुनर्गठन किया जाता है एवं परिसम्पत्तियों का पुनर्मूल्यांकन एव दायित्वों का पुर्ननिर्धारण किया जाता है। यह नए साझेदार के प्रवेश के समय फर्म की सत्य स्थिति दिखाने के लिए आवश्यक है।

- **सचंयों एवं संचित लाभ व हानियों का समायोजन :** नए साझेदार के प्रवेश के समय स्थिति विवरण में दिखाए गए संचित लाभ एवं संचय को वर्तमान साझेदारों के पूँजी खाते में उनके वर्तमान लाभ विभाजन अनुपात में जमा किया जाएगा। यदि यहाँ पर हानि है तो उसको वर्तमान साझेदारों में वर्तमान अनुपात में नाम किया जाएगा।

- **साझेदारों की पूँजी का समायोजन :** कभी-कभी साझेदार के प्रवेश के समय साझेदार अपनी पूँजी को लाभ विभाजन अनुपात के अनुसार समायोजित करने के लिए सहमत होते हैं। साझेदार नई फर्म के लिए रखी जाने वाली पूँजी की गणना का निर्णय ले सकते हैं जो कि या तो नए साझेदार की पूँजी के आधार पर एवं उसके लाभ विभाजन अनुपात के अनुसार या वर्तमान साझेदारों के पूँजी खातों के शेष के आधार पर होगी।

- वर्तमान साझेदारों के लाभ हानि अनुपात में परिवर्तन पर लेखा पुस्तकों मं संचय एवं संचित लाभ/हानि को साझेदारों के पूँजी खातों/चालू खातों में उनके पुराने लाभ आबंटन अनुपात में हस्तान्तरित कर दिया जाएगा।

- यदि साझेदार संचय एवं लाभ/हानि को आबंटन नहीं करना चाहते हैं तो लाभ अनुपात में परिवर्तन का प्रभाव दिखाने के लिए एक समायोजन प्रविष्टि की जाएगी। इसके लिए उस साझेदार/साझेदारों के पूँजी खातों के नाम में लिखा जाएगा, जिनका लाभ हुआ है तथा जिस साझेदार/साझेदारों ने त्याग किया है उनके जमा में अनुपातन लिखा जाएगा।

- लाभ आबंटन अनुपात में परिवर्तन का अर्थ होता है कि एक साझेदार दूसरे साझेदारों से लाभ के भाग का क्रय कर रहा है जो कि उस दूसरे साझेदार का था। इसलिए क्रय करने अथवा लाभ प्राप्त करने वाले साझेदार को ख्याति का अनुपातन भाग क्षति पूर्ति के रूप में देना होगा। वर्तमान साझेदारों के लाभ अनुपात में परिवर्तन पर ख्याति के लेखा समाधान के लिए निम्न प्रविष्टि की जाएगी :

लाभ में साझेदार का पूँजी खाता		नाम
	त्याग करने वाले साझेदार के पूँजी खाता से	
(वर्तमान साझेदारों के लाभ आबंटन अनुपात में परिवर्तन पर ख्याति का लेखा)		

टिप्पणी

पाठान्त प्रश्न

1. त्याग अनुपात का अर्थ बताइए।
2. ख्याति का अर्थ बताइए।
3. ख्याति के मूल्यांकन की विधियों का वर्णन कीजिए।
4. पुनर्मूल्यांकन खाता का वर्णन कीजिए। नए साझेदार के प्रवेश के समय परिसम्पत्तियों एवं दायित्वों का पुर्नमूल्याकन क्यों किया जाता है?
5. नए साझेदार के प्रवेश पर संचित लाभ या हानियों एवं संचय के लेखाकरण का वर्णन करें।
6. नए साझेदार के प्रवेश की स्थिति में नए साझेदार की अनुपातिक पूँजी की गणना का वर्णन करें।
7. अ और ब साझेदार हैं। लाभ का विभाजन 5 : 3 में करते हैं। वे स को साझेदारी में 1/4 भाग के लिए प्रवेश देते हैं। नए लाभ विभाजन अनुपात एवं त्याग अनुपात की गणना कीजिए।
8. रोहित एवं मीना साझेदार हैं। लाभ हानि का विभाजन 7 : 3 के अनुपात में करते हैं। नए साझेदार टीना के पक्ष में रोहित अपने भाग का 1/7 समर्पण करता है एवं मीना अपने भाग का 1/3 भाग समर्पण करती है। नए लाभ विभाजन अनुपात की गणना कीजिए।
9. एक फर्म पिछले कुछ वर्षों से ₹ 3,00,000 औसत लाभ अर्जित करती है। इस प्रकार के व्यवसाय में सामान्य प्रत्याय दर 15% है। यदि शुद्ध परिसम्पत्तियों की राशि ₹ 16,00,000 है, अधिलाभों का पूँजीकरण के अनुसार ख्याति ज्ञात करें।
10. निम्न स्थिति विवरण वरून एवं आशिमा का है जो लाभ हानि का विभाजन 2 : 1 के अनुपात में करते हैं।

दायित्व		*राशि (₹)*	*परिसम्पत्तियाँ*	*राशि (₹)*
पूँजी			रोकड़	12,000
तरून	50,000		विविध देनदार	60,000
आशिमा	40,000	90,000	स्टॉक	12,000
विविध लेनदार		20,000	फर्नीचर	6,000
			भवन	20,000
		1,10,000		1,10,000

वे सुनीता को साझेदारी में निम्न शर्तों पर प्रवेश देने के लिए सहमत होते हैं :

टिप्पणी

(i) सुनीता ख्याति के रूप में ₹ 9,000 का भुगतान करेगी।

(ii) सुनीता व्यवसाय के लाभ में 1/4 भाग के लिए ₹ 11,000 की पूँजी लायेगी।

(iii) भवन एवं फर्नीचर पर 5% ह्रास लगया जाएगा। स्टॉक में ₹ 1,600 की कमी हुई एवं डूबत ऋण संचय के लिए ₹ 1,300 का प्रावधान किया जाएगा।

आवश्यक खाते एवं प्रवेश के पश्चात् स्थिति विवरण तैयार करें।

11. अ और ब फर्म में साझेदार हैं। लाभ का विभाजन 2 : 1 के अनुपात में करते हैं। स को 1/4 भाग के लाभों के लिए फर्म में प्रवेश दिया जाता है। वह पूँजी के लिए ₹ 60,000 लाएगा एवं अ और ब की पूँजी का समायोजन लाभ विभाजन अनुपात में किया जाएगा। मार्च 31, 2014 को अ एवं ब का स्थिति विवरण निम्न है :

मार्च 31, 2014 को अ और ब का स्थिति विवरण

दायित्व		*राशि (₹)*	*परिसम्पत्तियाँ*	*राशि (₹)*
विविध लेनदार		16,000	हस्तस्थ रोकड़	4,000
देय विपत्र		8,000	बैंक में रोकड़	20,000
समान्य संचय		12,000	विविध देनदार	16,000
पूँजी			स्टॉक	20,000
अ	1,00,000		फर्नीचर	10,000
ब	64,000	1,64,000	मशीनरी	50,000
			भवन	80,000
		2,00,000		2,00,000

समझौते की अन्य शर्तें निम्न हैं

(i) अपने भाग की ख्याति के लिए ₹ 24,000 लाएगा।

(ii) भवन का ₹ 90,000 एवं मशीनरी का ₹ 46,000 मूल्यांकन किया गया।

(iii) देनदारों पर डूबत ऋण के लिए 6% का प्रावधान करें।

(iv) अ और ब का पूँजी खाता रोकड़ द्वारा समायोजित किया जाएगा।

आवश्यक खाते एवं स के प्रवेश के पश्चात् स्थिति विवरण बनाइए।

12. A और B साझेदार थे और लाभ का बंटवारा 3 : 1 के अनुपात में करते थे। 1.4.2014 से उन्होंने लाभ का बराबर बांटने का निर्णय लिया। इसके लिए फर्म की ख्याति का मूल्य ₹ 5,000 तय किया गया।

A और B के लाभ अनुपात में परिवर्तन पर ख्याति के सम्बन्ध में आवश्यक समायोजन प्रविष्टि कीजिए।

टिप्पणी

13. X और Y साझेदार थे और लाभ का बंटवारा 5 : 3 में करते थे। 1.1.2013 से उन्होंने लाभ के अनुपात में परिवर्तन करने का निर्णय लिया। अब यह अनुपात 3 : 5 होगा। ख्याति का मूल्य ₹ 1,60,000 तय किया गया।

    X और Y के लाभ अनुपात में परिवर्तन पर ख्याति के सम्बन्ध में आवश्यक समायोजन प्रविष्टि कीजिए।

14. अल्का, ज्योति और सोनम साझेदार थे और लाभ का बंटवारा 3 : 2 : 1 में करते थे। यह निर्णय लिया गया कि भविष्य में लाभ बराबर बांटा जाएगा। इसके लिए फर्म की ख्याति का मूल्य ₹ 1,20,000 तय किया गया।

    लाभ अनुपात में परिवर्तन के कारण अल्का, ज्योति और सोनम की बहियों में ख्याति के सम्बन्ध में लेखा करें।

15. अखिल, निखिल और शकील एक फर्म में साझेदार थे और लाभ का आबंटन 5 : 3 : 2 के अनुपात में करते थे। निर्णय लिया गया कि 1.4.2014 से लाभ का बंटवारा 3 : 5 : 2 के अनुपात में होगा। इसके लिए ख्याति का मूल्य ₹ 2,00,000 होगा।

    अखिल, निखिल और शकील के लाभ अनुपात में परिवर्तन पर ख्याति के लेखा समाधान के लिए रोजनामचा प्रविष्टि कीजिए।

16. कुमार ओर जानकी एक फर्म में साझेदार हैं तथा 3 : 2 के अनुपात में लाभ का आबंटन करते हैं। 31.3.2013 को उनका स्थिति विवरण सामान्य संचय ₹ 30,000 दिखा रहा है। इस तिथि को उन्होंने लाभ का आबंटन बराबर करने का निर्णय लिया।

    लाभ आबंटन अनुपात के परिवर्तन पर सामान्य संचय के लेखा समाधान के लिए आवश्यक रोजनामचा प्रविष्टि कीजिए।

17. रवि और कांता साझेदार थे जो लाभ का बंटवारा 3 : 1 के अनुपात में कर रहे थे। 31.3.2013 को उनकी लेखा पुस्तकें ₹ 40,000 का नाम शेष दिखा रही थी। उन्होंने लाभ को 3 : 2 के अनुपात में बांटने का निर्णय लिया।

    ऊपर दिए गए शेष के लेखा समाधान के लिए आवश्यक रोजनामचा प्रविष्टि कीजिए।

18. करन और कार्तिक एक फर्म में साझेदार थे और लाभ का आबंटन 3 : 2 के अनुपात में करते थे। उनका स्थिति विवरण ₹ 15,000 का सामान्य संचय शेष दिखा रहा था। उन्होंने भविष्य में लाभ का बंटवारा 3 : 1 के अनुपात में करने का निर्णय लिया।

    करण और कार्तिक के लाभ हानि अनुपात के परिवर्तन पर सामान्य संचय के लेखा समाधान के लिए आवश्यक रोजनामचा प्रविष्टियाँ कीजिए।

टिप्पणी

19. ममता, ज्योति और रूचि एक फर्म में साझेदार थे और लाभ का आबंटन 3 : 2 : 1 में कर रहे थे। उन्होंने भविष्य में लाभ का बंटवारा बराबर अनुपात में करने का निर्णय लिया। लाभ आबंटन अनुपात के परिवर्तन पर उनके लाभ हानि खाता में ₹ 60,000 का नाम शेष था। उन्होंने हानि के आपस में बंटवारा न करने का निर्णय लिया तथा इसके परिणाम को प्रभावी बनाने के लिए एक समायोजन प्रविष्टि की। इस प्रविष्टि को बनाइए।

20. P और Q एक फर्म में साझेदार थे तथा 3 : 5 के अनुपात में लाभ का आबंटन करते थे। उन्होंने निर्णय लिया कि 1 अप्रैल 2013 से लाभ का बंटवारा बराबर किया जाएगा। इस समय पर साझेदारों में समझौता हुआ कि सम्पत्तियों एवं देयताओं का पुनर्मूल्यांकन निम्न प्रकार से होगा :

    i. भवन पर ₹ 2,000 का अवक्षयण लगाया जाएगा।

    ii. ₹ 10,000 के देनदारों पर 5% से अप्राप्य एवं संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान किया जाएगा।

    iii. भूमि के मूल्य में ₹ 70,000 की वृद्धि की जाएगी।

    iv. स्टाक के मूल्य में ₹ 30,000 का अवक्षयण लगाया जाएगा।

    उपरोक्त के लिए रोजनामचा प्रविष्टि कीजिए एवं पूर्वमूल्यांकन खाता तैयार कीजिए।

21. L और M के लाभ हानि अनुपात में 2 : 3 से 4 : 5 में परिवर्तन पर निम्न मदों के पुनर्मूल्यांकन के लिए आवश्यक रोजनामचा प्रविष्टि कीजिए तथा पूर्नमूल्यांकन खाता बनाइए।

    i. ₹ 7,000 का कम्प्यूटर जो गैर अभिलेखित था, को अब खातों में दिखाना है।

    ii. ₹ 5,000 की देयता को अब भुगतान नहीं करना होगा।

    iii. 5 वर्ष पहले जो भूमि ₹ 20,000 में खरीदी थी, अब उसका मूल्य ₹ 20,00,000 आंका गया है।

पाठगत प्रश्नों के उत्तर

23.1 I. (i) नया, वर्तमान (ii) पुनर्गठन
(iii) त्याग अनुपात (iv) वर्तमान अनुपात

II. त्याग अनुपात 5 : 3

23.2 I. (i) अमूर्त (ii) आने वाला (iii) सामान्य लाभ
(iv) औसत लाभ, अधिलाभ, पूँजीकरण (v) बाह्य दायित्व

टिप्पणी

II. (अ) ₹ 62,500 (ब) ₹ 1,25,000

23.3 I. (i) प्रविष्टि नहीं (ii) जमा (iii) त्याग
(iv) अपलिखित (v) नाम

II. (i) घ (ii) ग (iii) क (iv) ख

23.4 I. (i) दायित्व (ii) परिसम्पत्तियाँ (iii) दायित्व
(iv) परिसम्पत्तियाँ (v) जमा पक्ष (vi) वर्तमान अनुपात
(vii) नाम

II. (i) क (ii) क (iii) क (iv) क (v) ख

III. (i) जमा (ii) जमा (iii) नाम (iv) नाम

IV. (i) असत्य (ii) असत्य (iii) सत्य (iv) असत्य

23.5 नई फर्म की कुल पूँजी ₹ 2,50,000
तनू की पूँजी ₹ 1,20,000; अनु की पूँजी ₹ 80,000

पाठांत प्रश्नों के उत्तर

7. नया लाभ विभाजन अनुपात 15 : 9 : 8, त्याग अनुपात 5 : 3
8. नया लाभ विभाजन अनुपात 3 : 1 : 1
9. ख्याति ₹ 4,00,000
10. पुनर्मूल्यांकन पर हानि ₹ 4,200 स्थिति विवरण का योग ₹ 1,25,800
11. पुनर्मूल्यांकन पर लाभ ₹ 5,040, अ की पूँजी ₹ 1,20,000, ब एवं स की पूँजी ₹ 60,000 प्रत्येक, स्थिति विवरण का योग ₹ 2,64,000

क्रियाकलाप

ऐसे किन्हीं पाँच व्यावसायिक संगठन के स्वामियों से बात करें जो सफलतापूर्वक अपना व्यवसाय चला रहे हैं तथा जिन्होंने बाजार में अपनी अच्छी ख्याति बना ली है। प्रत्येक फर्म के सामने ख्याति में योगदान देने वाले तत्व लिखें।

फर्म का नाम	*व्यवसाय की प्रकृति*	*फर्म की ख्याति के सहयोगी कारक*